शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 170 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 16 जुलाई 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

उपचुनाव में नुकसान भाजपा को नहीं, बसपा को हुआ: त्रिवेंद्र

हरिद्वार

हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत का कहना है कि दो सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा को कोई नुकसान नहीं हुआ है। दोनों ही सीटें भाजपा के पास नहीं थी, जबकि मंगलौर में तो इस बार भाजपा ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। हरिद्वार में सोमवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नुकसान बसपा को हुआ है न कि भाजपा को। मंगलौर में हम इस बार जीत के करीब पहुंच गए थे, यह सीट कभी भी भाजपा के पास नहीं रही। बाहरी प्रत्याशी के सवाल पर उन्होंने कहा कि मंगलौर में भाजपा के वोटों में इजाफा हुआ है, इसलिए बाहरी प्रत्याशी होना हार का कारण नहीं मान सकते। उन्होंने कहा कि हार के कारण का पता समीक्षा और कार्यकर्ताओं से बातचीत के बाद ही चलेगा।

कैदियों की पैरोल और फरलो में लापरवाही न दिखाएं: कोर्ट

मुंबई

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने जेल अधिकारियों द्वारा दोषियों को बार बार पैरोल की अनुमति न देने के तरीके की निंदा की है। अदालत का कहना है कि जेल अधिकारियों द्वारा बार बार मनमाने तरीके से ऐसा किया जा रहा है, जो कि गलत है। दरअसल, न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने पीठ ने 10 जुलाई को एक आदेश दिया था। आदेश में कहा गया था कि दोषी की पैरोल और फरलो का लाभ सिर्फ स्थानीय पुलिस की आपत्ति जताने से नहीं रोका जा सकता।

फिलिस्तीन सहायता के लिए भारत ने यूएन को दिए 25 लाख डॉलर

नई दिल्ली

भारत सरकार ने फिलिस्तीन शरणार्थियों की सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्यूए) को 25 लाख अमरीकी डॉलर की पहली किश्त जारी की। भारत ने वित्तीय वर्ष में युद्धग्रस्त देश के लोगों के लिए 50 लाख डॉलर के अनुदान की घोषणा की है।

नीट विवाद: सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर होंगी

नीट परीक्षा: हाई कोर्ट के मामलों को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की याचिका पर सभी पक्षकारों को नोटिस

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने नीट परीक्षा को लेकर अलग-अलग हाई कोर्ट में चल रहे मामलों को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट 18 जुलाई को नीट मामले पर सुनवाई करने वाला है। एनटीए की ओर से पेश वकील वर्धमान कौशिक ने कहा कि नीट को लेकर विभिन्न हाई कोर्ट में कुछ और याचिकाएं दाखिल की गई हैं। इन याचिकाओं को भी सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की जरूरत है, क्योंकि सभी याचिकाओं में मुद्दा एक ही है। इसके पहले 14 जून को सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच ने नीट मामले पर विभिन्न हाई कोर्ट में दाखिल याचिकाओं की सुनवाई पर रोक लगा दी थी। इस मामले में केंद्र सरकार ने मद्रास आईआईटी के

उमर की तलाक की अर्जी पर पत्नी पायल को नोटिस

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अपनी पत्नी पायल अब्दुल्ला से तलाक की अर्जी पर सुनवाई करते हुए पायल अब्दुल्ला को नोटिस जारी किया है। जस्टिस सुधांशु धूलिया की अध्यक्षता वाली बेंच ने पायल अब्दुल्ला को छह हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान उमर अब्दुल्ला की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि दोनों की शादी खत्म हो चुकी है। वे पिछले 15 सालों से अलग रह रहे हैं।

आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के सबूत नहीं हैं और वह नीट परीक्षा निरस्त करने के समर्थन में नहीं है। एनटीए ने भी सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा है कि टेलीग्राम ऐप पर नीट पेपर लीक का जो वीडियो चलाया जा रहा था वो फर्जी था। इस मामले पर सुनवाई करते हुए 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, यह स्पष्ट है। अगर परीक्षा वाले दिन ही बच्चों को पेपर मिला था और उसे याद किया गया इसका मतलब पेपर केवल स्थानीय स्तर पर ही लीक हुआ था। लेकिन अगर हमें यह पता नहीं चलता कि कितने स्टूडेंट इसमें शामिल थे, तब दोबारा परीक्षा का आदेश देना पड़ेगा।

सीयूईटी यूजी एग्जाम 19 जुलाई को फिर से होगा: एनटीए

नेशनल टेस्टिंग ऐंसी यानी एनटीए ने सीयूईटी यूजी एग्जाम्स को लेकर शिकायतें दर्ज कराने वाले छात्रों का रीएग्जाम 19 जुलाई को कराएगा। यह एग्जाम कंप्यूटर-आधारित टेस्ट मोड में आयोजित किया जाएगा। सभी प्रभावित कैंडिडेट्स के लिए एडमिट कार्ड जल्द ही जारी किए जाएंगे। परीक्षा के आयोजन में गड़बड़ियों की शिकायतों के बाद सीयूईटी यूजी एग्जाम फिर से कराने का निर्णय लिया गया।

मुख्तार को जेल में जहर दिया, इलाज तक नहीं मिला: उमर

नई दिल्ली

गैंगस्टर से नेता बने दिवंगत मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आरोप लगाया है कि उनके पिता को जेल में खाने में जहर दिया जाता था। उन्हें पर्याप्त इलाज देने से भी इन्कार किया गया था। इसी के चलते उनकी हिरासत में मौत हुई थी।

जिस बात का डर था, वही हो गया

जस्टिस हृषिकेश राय और एसवीएन भट्टी की खंडपीठ के समक्ष मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी की 2023 में दायर याचिका की सुनवाई के दौरान बांदा जेल परिसर में अपने पिता की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। मुठभेड़ जैसी स्थिति का दावा कर चुके उमर अंसारी की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस मामले में जांच होनी चाहिए, क्योंकि हमें जिस बात का डर था, वही हो गया है। खंडपीठ ने सिब्बल से कहा कि हम उन्हें वापस नहीं ला सकते हैं। आप यह अच्छी तरह समझते हैं। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि इंसानों से इस देश में ऐसा बर्ताव नहीं किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपनी याचिका में मांग में संशोधन के लिए भी आवेदन कर रहे हैं। याचिका पर नोटिस जारी करने वाली खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश एडीशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि वह अपना जवाब दाखिल कर सकते हैं।

धन विधेयक से जुड़े मामले में फैसला आएगा: कांग्रेस

नई दिल्ली

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर अनुच्छेद 110 के घोर दुरुपयोग का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि इसी अनुच्छेद के तहत कई विधेयकों को धन विधेयक घोषित कर उन्हें पारित किया गया है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा एक अलग संवैधानिक पीठ गठित करने के फैसले का पार्टी ने स्वागत किया।

जयराम रमेश बोले- कई मामलों को दी थी चुनौती

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट में लिखा, "पिछले 10 सालों में कई विधेयकों को संविधान के अनुच्छेद 110 के तहत 'धन विधेयक' घोषित करके संसद में पारित कर दिया गया है।

बजट में प्रधानमंत्री से कुछ भी उम्मीद न करें: कांग्रेस

नई दिल्ली

संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा, वहीं 23 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारण की तरफ से केंद्र की भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश किया जाएगा। इससे पहले भाजपा की तरफ से अपने दूसरे कार्यकाल के आखिरी में एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वहीं बजट सत्र की शुरूआत से पहले ही कांग्रेस केंद्र और पीएम मोदी पर हमलावर हो चुकी है।

'उम्मीद है सदन की कार्रवाई निष्पक्ष रहेगी'

जोरहाट से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उप नेता गौरव गोगोई ने उम्मीद जताई है कि इस बार सदन की कार्रवाई निष्पक्ष तरीके से जारी रहेगा। वहीं उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से बजट को लेकर कोई उम्मीद नहीं रखते हैं। इस दौरान गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि इससे पहले आयोजित हुए सत्र में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के सदन में दिए गए बयानों के कुछ हिस्सों को रिकॉर्ड से हटा दिया गया था।

राहुल गांधी के बयान रिकॉर्ड से हटाए जाने पर बरसे

गौरव गोगोई ने कहा कि हम चाहते हैं कि सदन निष्पक्ष रहे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी पार्टी के नेता राहुल गांधी की कुछ बयानों को पिछले सत्र के दौरान रिकॉर्ड से हटा दिया गया था।

भोजशाला: एएसआई ने एमपी हाईकोर्ट में सौंपी 2000 पेज की रिपोर्ट

इंदौर

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने धार जिले में स्थित भोजशाला का सर्वे पूरा कर अपनी दो हजार पेज की रिपोर्ट मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच को सौंप दी है। अब 22 जुलाई को इस मसले पर सुनवाई होगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 23 साल पहले लागू की गई व्यवस्था को क्या हाईकोर्ट इस रिपोर्ट के आधार पर बदल देगा इधर हिंदू पक्ष

के वकील की ओर से दावा किया गया कि सर्वे के दौरान कई ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जो साबित करता है कि यहां मंदिर था। धार जिले के इस 11वीं सदी में बने परिसर का विवाद नया नहीं है। हिंदू समुदाय भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है। मुस्लिम पक्ष कमाल मौला मस्जिद कहता है। हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस की याचिका पर हाईकोर्ट ने 11 मार्च को एएसआई को आदेश दिया था कि वह छह हफ्ते में भोजशाला परिसर की साइंटिफिक स्टडी कर अपनी रिपोर्ट सौंपे। हालांकि, रिपोर्ट सौंपने के लिए एएसआई ने और वक्त मांगा। तीन बार समय बढ़ाया गया। चार जुलाई को हाईकोर्ट ने एएसआई को निर्देश दिए थे कि 15 जुलाई तक अपनी पूरी रिपोर्ट सौंप दें। हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस के वकील एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इस मामले में एएसआई रिपोर्ट महत्वपूर्ण है।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक के साथ की बैठक

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी ज्यूरिख दौरे के पहले दिन विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के महानिदेशक के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। वाणिज्य मंत्री ने डब्ल्यूटीओ टीम के साथ प्राथमिकता वाले मुद्दों की समीक्षा और चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने प्रवासी भारतियों और संभावित निवेशकों से भी मुलाकात की। टीईपीए के क्रियान्वयन के संबंध में ज्यूरिख दौरे के पहले दिन ही केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया।

संसद सुरक्षा चूक केस: पुलिस ने दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत चलेगा केस

नई दिल्ली

संसद सुरक्षा चूक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सोमवार को कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस मामले में अब आरोपियों को दो अगस्त को कोर्ट में पेश किया जाएगा और सुनवाई होगी। इस मामले में दिल्ली के राज्यपाल वीके सक्सेना ने सभी आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत केस चलाने की मंजूरी दी है। अब पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र दायर कर दिया है।

1000 पन्नों का आरोपपत्र दायर

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सात जून को इस मामले में गिरफ्तार सभी छह आरोपियों मनोरंजन डी, ललित झा, अमोल शिंदे, महेश कुमावत, सागर शर्मा और नीलम आजाद के खिलाफ करीब 1000 पन्नों का आरोपपत्र दायर किया था।

आरोपियों पर यूएपीए के तहत चलेगा केस

इस मामले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने छह आरोपियों पर गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। इन लोगों पर 13 दिसंबर 2023 को सदन की कार्यवाही के दौरान संसद पर कथित रूप से हमला करने का आरोप है। आरोप है कि मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे, नीलम, ललित झा और महेश कुमावत नामक लोगों ने संसद में अवैध रूप से प्रवेश किया। साथ ही चालू सत्र के दौरान लोकसभा में धुएं के कैन फेंके। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने उपराज्यपाल से यूएपीए की धारा 16 और 18 के तहत उनके अभियोजन का अनुरोध किया था। एलजी ने रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री पाए जाने पर अभियोजन स्वीकृति प्रदान की।

इस मंजूरी से पहले समीक्षा समिति (डीओपी, तीस हजारी, दिल्ली) ने भी 30 मई को जांच एजेंसी द्वारा एकत्र किए गए संपूर्ण साक्ष्यों की जांच की। जांच में संसद हमले के मामले में आरोपियों की संलिप्तता पाई गई थी।

थोक महंगाई दर जून में बढ़कर 3.36 फीसदी हुई

नई दिल्ली

देश में जून में थोक महंगाई दर बढ़कर 3.36 प्रतिशत हो गई है। इससे पहले पिछले महीने यानी मई 2024 में यह 2.61 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल इसी महीने (जून 2023 में) यह शून्य से 4.18 प्रतिशत नीचे रही थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में यही थोक महंगाई दर 1.26 फीसदी थी। खाने और पीने की चीजों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के चलते देश में थोक मुद्रास्फीति का बढ़ना भी जारी है। वाणिज्य-उद्योग मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, "थोक मुद्रास्फीति सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आधार पर जून में मंहगाई दर 3.36 फीसदी है। इस महीने खाद्य पदार्थों के दाम, खाद्य पदार्थों के उत्पादन, कच्चे तेल, पेट्रोल, प्राकृतिक गैस और अन्य चीजों की कीमतों में वृद्धि की वजह से महंगाई दर में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।"खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति जून में 10.87 प्रतिशत बढ़ी।

सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में रिव्यू पिटिशन खारिज की

ग्रुप पर लगे स्टॉक प्राइस मैनिपुलेशन की जांच सीबीआई को ट्रांसफर करने से इनकार किया था

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में अपने 3 जनवरी के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में अडाणी ग्रुप की ओर से स्टॉक प्राइस में हेरफेर

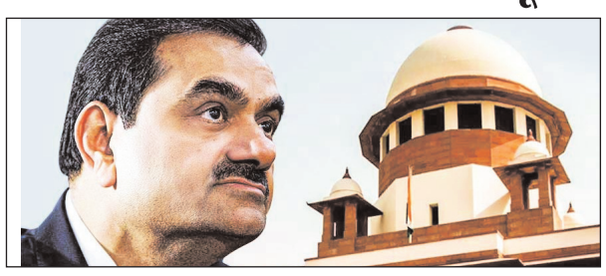

के आरोपों की जांच एसआईटी या सीबीआई को ट्रांसफर करने से इनकार कर दिया था। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह याचिका खारिज की है। इस याचिका को अनामिका जायसवाल ने दायर किया था। समीक्षा याचिका में दावा किया गया था कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में गलतियां और त्रुटियां थीं।

8 मई को खारिज कर दी याचिका, आदेश पब्लिक हुआ

समीक्षा याचिका 8 मई को खारिज कर दी गई थी, लेकिन आदेश सोमवार को सार्वजनिक किया गया। जज मौखिक सुनवाई किए बिना अपने चैंबर में समीक्षा याचिकाओं पर विचार करते हैं। जायसवाल की याचिका, फरवरी में दायर की गई थी।

2023 में अडाणी ग्रुप पर लगे थे शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप

24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए थे। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई थी।

श्रीनगर के मुहर्रम जुलूस में लहराया फलस्तीन का झंडा

जो भी व्यक्ति 2015 से पहले भारत आया है, उसे नागरिकता के लिए आवेदन करने का पहला अधिकार है: सीएम

2015 के बाद आए लोगों को निर्वासित करेंगे: सरमा

गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को बताया कि साल 1971 से पहले असम में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत महज आठ लोगों ने आवेदन किया है। इसमें से केवल दो लोग ही साक्षात्कार देने के लिए आए।

गुवाहाटी के लोक सेवा भवन में एक प्रेस वार्ता को को संबोधित करते हुए सीएम सरमा ने कहा, "अब तक असम में 1971 से पहले के आठ लोगों ने सीएए के तहत आवेदन किया है और केवल दो ही साक्षात्कार के लिए उपस्थित

हुए हैं।"

तो उनके खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा- सीएम

उन्होंने आगे कहा कि जो भी व्यक्ति 2015 से पहले भारत आया है, उसे नागरिकता के लिए आवेदन करने का पहला अधिकार है। अगर वे आवेदन नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा।

सीएम सरमा ने कहा, "2015 से पहले भारत आए किसी भी व्यक्ति को सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने का पहला अधिकार है।

अगर वे आवेदन नहीं करते हैं, तो हम उनके खिलाफ केस दर्ज करेंगे। यह एक वैधानिक निर्देश है। हम 2015 के बाद आए लोगों को निर्वासित करेंगे।"

आवेदन करने के बजाय केस लड़ना पसंद करेंगे

असम में जिन आवेदकों के खिलाफ 'विदेशी न्यायाधिकरण' के तहत केस दर्ज हैं, उनके बारे में उन्होंने कहा कि अगर केस 2015 से पहले के हैं, तो उन्हें सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने का मौका दिया जाएगा। असम में हिंदू बंगालियों से भी आवेदन करने का आग्रह किया। मगर, कहा कि वे भारतीय हैं और सीएए के तहत आवेदन करने के बजाय केस लड़ना पसंद करेंगे।

कार्यवाही जारी रहेगी

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अगर केस 2015 से पहले के हैं, तो उनके पास आवेदन करने का मौका है। अगर वे आवेदन नहीं करते हैं, तो कार्यवाही जारी रहेगी।

दिलजीत दोसांझ और जस्टिन ट्रूडो की मुलाकात पर विवाद

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के टोरंटो के रोजर्स सेंटर में होने वाले कॉन्सर्ट के सभी टिकट बिक जाने की ऐतिहासिक घटना की बधाई देने पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ से मिलने जाने पर नया विवाद खड़ा हो गया है।भाजपा ने अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ को ट्रूडो के 'पंजाब से गायक' कहने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने जानबूझकर शब्दों से खेलने की कोशिश की है। दिलजीत पंजाब से भारत से हैं। जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक्स पर दिलजीत के साथ अपना एक वीडियो साझा किया।

गाजा के समर्थन में लगाए नारे, भारी संख्या में जुटी भीड़

श्रीनगर

कश्मीर के शिया समुदाय ने सोमवार को पारंपरिक गुरु बाजार-डलगेट मार्ग पर शोक के आठवें मुहर्रम का जुलूस निकाला। अधिकारियों ने बताया कि जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, क्योंकि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया गया था। जुलूस सोमवार तड़के शहर के गुरु बाजार इलाके से शुरू हुआ और जहांगीर चौक और मौलाना आजाद रोड से होते हुए निर्धारित मार्ग से गुजरा और फिर डलगेट पर समाप्त हुआ।

दो जगहों पर लहराया गया फलस्तीन का झंडा

इस जुलूस के दौरान एक दो अन्य स्थानों पर फलस्तीन झंडा लहराने और नारों की खबरें इंटरनेट मीडिया पर दिख रहीं। यह लगातार दूसरा साल है, जब अधिकारियों ने मुहर्रम जुलूस को पारंपरिक मार्ग से निकालने की अनुमति दी है।

कश्मीर में आतंकवाद के पनपने के बाद जुलूस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, क्योंकि आशंका थी कि अलगाववादी भीड़ का गलत मकसद से दुरुपयोग कर सकते हैं।

जुलूस के लिए दिया गया था सीमित समय

यह जुलूस कर्बला में शहीद हुए पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की याद में मनाया जाता है। अधिकारियों ने जुलूस के लिए सीमित समय दिया था, इसलिए सुबह 5.30 बजे हजारों लोग गुरु बाजार में एकत्र हुए, ताकि सामान्य जीवन प्रभावित न हो।

मेजा के लोहरा प्राथमिक विद्यालय में हुई लापरवाही छुट्टी के दौरान बच्चा हुआ कैद वीडियो वायरल

अखंड भारत संदेश

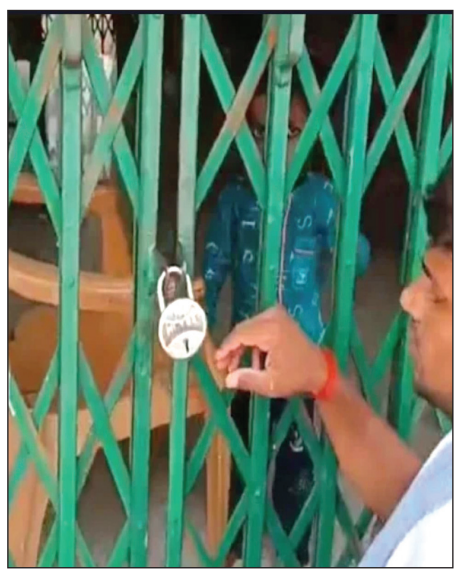

मेजा। विकासखण्ड मेजा के लोहरा गांव के प्राथमिक विद्यालय से बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। जिसमें विद्यालय में छुट्टी के दौरान एक चार वर्षीय बच्चे को विद्यालय के अन्दर छोड़कर ताला बंद कर शिक्षक चले गए। घंटों बच्चा रोता एवं चीखता चिल्लाता रहा। इस दौरान किसी ग्रामीण ने स्कूल के चैनल के अंदर बंद बच्चे को रोता हुआ देखा तो हड़कंप मच गया और आनन फानन में संबंधित अध्यापक को सूचना दिया तब कहीं घंटो बाद उक्त विद्यालय का ताला खोलकर बच्चे को बाहर निकाला गया। गौरतलब है कि स्कूल में इतनी बड़ी लापरवाही कैसे और क्यों हो गई की बच्चा कैद हो गया और जिम्मेदारों ने ध्यान तक नहीं दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला विकासखण्ड मेजा के गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय का है। वायरल वीडियो में साफ-साफ देखा जा सकता है कि बच्चा विद्यालय के अंदर कैद है और ताला खोलकर उसे बाहर निकाला जा रहा है।

मोहर्रम का सातवीं का जुलूस रविवार को रात में निकला क्षेत्र में किया भ्रमण

मऊआइमा। मऊआइमा नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला पूरे मियां जी का सातवीं का जुलूस रविवार देर रात में निकला जो क्षेत्र में भ्रमण करते हुए अपनी गंतव्य को पहुंचा।जबकि दिलासा बीबी का आठवीं का जूलूस सोमवार को देर रात अबू हलीम पटटी से निकलेगा। बताया गया है कि मंगलवार को यानि मोहर्रम के नौंवीं का ताजिया शाम के समय हर स्थानों पर ताजिया रखा जाएगा और बुधवार को हर अखाडे कस्बा सहित दर्जनों गांवों में ताजिया निकाल कर भ्रमण के बाद कर्बला में दफन किया जाएगा।अबू हलीम पटटी के ताजियादार शमीम बच्चा आदि जबकि पूरे मियां जी के हलीम उद्दीन आदि हजियाना का पप्पू के रेख देख में निकलता है। फिलहाल जुलूस सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस बल तैनात की गयी है। बता दें कि मऊआइमा नगर पंचायत क्षेत्र में मोहर्रम का जुलूस रात्रि में निकलता है।

संस्कृति और संस्कार को सम्मान देना एवं जनसेवा ही प्राथमिकता : राजू शुक्ला

कुंवरपटी के सोना भवन के मां शीतला मंदिर परिसर में भाजपा नेता ने 51 हजार पौधारोपण करने के बड़े संकल्प की किया शुरूआत

अखंड भारत संदेश

मेजा। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही है।आधुनिकता की अंधी दौड़ में वन व जंगल उजाड़े जा रहे हैं।हवा में तेजी से जहर फैल रहा है। इस स्थिति में जीवन को संजोने के लिए पेड़ पौधों की अहमियत बढ़ जाती है।जनसेवक,एवं भाजपा नेता इन्द्रदेव शुक्ल राजू भैया ने 51 हजार पौधरोपण के संकल्प के साथ रविवार को इसकी शुरूआत की है। क्षेत्र के कुँवरपट्टी गांव के सोनाभवन के मॉ शीतला मन्दिर परिसर में एक पौधरोपण कर राजू भैया ने 51 हजार पौधरोपण का संकल्प लिया है। डीजीएस परिवार प्रति वर्ष 51 हजार पौधों को लगाकर मेजा क्षेत्र में हरियाली के जरिए खुशहाली लाने की कोशिश की है।जनसेवक राजू भैया ने रविवार को स्वयं पौध रोपित कर इस बड़े संकल्प की शुरूआत की है। उन्होने कहा कि संस्कृति और संस्कार को सम्मान देते हुए जन सेवा का क्षेत्र चुना है।गरीबों,वंचितों के सहयोग के साथ गरीब कन्यायों की शादी कराने का काम डीजीएस ग्रुप करता रहा है।पौधरोपण भी सेवा कड़ीं का ही हिस्सा है। राजू भैया ने आगे कहा कि शहरों की तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्र में भी पेड़ो की कटान बढ़ी है।गांवों में बाग बगीचे कम होने से वातावरण दूषित हो रहा है।पर्यावरण को वेहतर बनाने का यह एक प्रयास मात्र है।भाजपा नेता ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी भी सघन पौधरोपण अभियान को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारे इस संकल्प को उनकी प्रेरणा की कड़ीं में देखा जा सकता है। इस अभियान में मांडवी शरण द्विवेदी,ओ पी मिश्र,वरुण मिश्र,शिवम दुबे,रमा शंकर निषाद सहित डीजीएस ग्रुप की टीम सक्रिय रही।

सीडीओ गौरव कुमार ने उरुवा में किया नवनिर्मित खंड विकास कार्यालय का लोकार्पण

मेजा। मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार द्वारा विकासखण्ड उरुवा के नवनिर्मित खंड विकास अधिकारी कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। उल्लेखनीय है कि सोमवार को खंड विकास अधिकारी उरुवा कार्यालय भवन का सुदृढ़ीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य का उद्घाटन ब्लाक प्रमुख श्रीमती आरती गौतम द्वारा फीता काटकर किया गया। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पप्पू गौतम द्वारा विकासखण्ड परिसर में वृक्षारोपण कार्य भी किया गया। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी सहित कई अधिकारी कर्मचारी एवं प्रधानगण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

शिविर लगाकर 300 दिव्यांगों की जांच कर बनाया प्रमाण पत्र

अखण्ड भारत संदेश।

डॉक्टरों के देर से आने के कारण मायूस होकर दिव्यांग घर लौटे

मांडा। बहुप्रचारित दिव्यांग शिविर में मांडा ब्लॉक में सुबह से ही दिव्यांगों की भीड़ पहुंच गयी। लेकिन प्रयागराज से डाक्टरों की टीम लगभग सवा एक बजे आयी। कुल तीन सौ दिव्यांग शिविर में आये। जिनमें 81 का रजिस्ट्रेशन कर प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। 55 दिव्यांगों को जांच हेतु प्रयागराज रेफर किया गया। शेष दिव्यांग मायूस होकर वापस लौट गए। सोमवार को मांडा ब्लॉक में दिव्यांग सशक्तिकरण योजना के तहत शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 300 दिव्यांग सुबह साढ़े नौ बजे तक ही आ गये थे। लेकिन प्रयागराज से डाक्टरों की टीम लगभग सवा एक बजे तक आयी। शिविर में सीएमओ प्रमाण पत्र हेतु 82, ट्राईसाईकिल हेतु 50, ह्वील चेयर छह, यूपीआईडी कार्ड आठ, मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल आठ, पेंशन एक, स्मार्ट केन चार, कान मशीन तीन व एएफओ के लिए तीन दिव्यांग चयनित किये गए, जिनको उपकरण अगले शिविर में दिया जाएगा। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. केयन पांडेय, नेत्र सर्जन डा. सुभाषचंद्र, कार्डियोलाजिस्ट डा. शंकर शुक्ला, नाक कान, गला डा. आनंद कुमार, मनोरोग चिकित्सक डा. जय शंकर पटेल व पैनल डा. राजेन्द्र यादव व डा. संकल्प शुक्ला रहे। शिविर में डीडीओ भोला नाथ कन्नौजिया, बीडीओ अमित मिश्रा, एडीओ पंचायत रमा कांत पांडेय, एडीओ समाज कल्याण रवि प्रकाश यादव, एडीओ (आईएसबी) जैनेंद्र राव, कोआपरेटिव विष्णु प्रभाकर मिश्रा, सचिव बृजेन्द्र शुक्ला, राजीव सक्सेना, संजीव कुमार, बृजेश द्विवेदी, आदित्य प्रसाद, कमल कुमार, चंद्र शेखर सिंह आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग शिविर में चार घण्टे देर से पहुंचे डॉक्टर

मांडा। दिव्यांग, असहाय लोगों के प्रति भले ही केन्द्र व राज्य की सरकार पैनी नजर रखती हो लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अपनी करतूत से बाज नहीं आ रहे हैं। जिससे सरकार की सारी योजनाएं गरीब, असहाय, दिव्यांग व बेरोजगारो के लिए नाकाम साबित हो रहा है। वहीं सोमवार को सुबह नौ बजे से दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमे दिव्यांगो के विभिन्न अंगों के डॉक्टर द्वारा जांच कर प्रमाण पत्र व उपकरण वितरण सूचना समाचार पत्रों एवं ब्लॉक कर्मचारियों द्वारा लाभार्थियों को दिया गया।जानकारी पर मांडा ब्लाक मुख्यालय पर आयोजित दिव्यांग शिविर में लाभार्थियों को भीड़ उमड़ पड़ी लेकिन दिव्यांगों के परीक्षण के डॉक्टरो को समय से नहीं आने पर दर्जनों से अधिक दिव्यांग मायूस होकर घर लौट आए। दिव्यांग शिविर में लगभग सवा एक बजे डॉक्टरों ने प्रयागराज से पहुंचकर औपचारिकता पूरी किया।

मनुष्य की मेहनत सफलता की कदम चूमती है : महेंद्र कुमार अस्थाना

उतरांव। मनुष्य की कड़ी मेहनत उसे शिखर पर खड़ा कर देती है और सफलता की कदम को चूमती है। उक्त बातें भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा कार्यालय फूलपुर के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक महेंद्र कुमार अस्थाना सोमवार को उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभिकताओं को सम्मानित करते हुए कहीं। उन्होंने अभिकताओं में ऊर्जा भरते हुए कहां कि वे ईमानदारी से क्षेत्र में मेहनत करते रहे सफलता जरूर उन्हें मिलेगी । इसी प्रकार फूलपुर के शाखा प्रबंधक विक्रय अजय त्रिपाठी ने कहा कि मनुष्य के मेहनत से कोई भी लक्ष्य आसान हो जाता है। असंभव कार्य को संभव किया जा सकता है। वरिष्ठ शाखा प्रबंधक और विक्रय शाखा प्रबंधक के द्वारा विकास अधिकारी के के पांडेय, संजीव सोनकर के कई अभिकताओं को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

सीडीओ प्रयागराज करछना ब्लाक का किया औचक निरीक्षण

अनुपस्थित मिले 3 पर की कार्रवाई तथा दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अखंड भारत संदेश

करछना। प्रयागराज मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज गौरव कुमार सोमवार को दोपहर विकासखंड करछना कार्यालय का किया औचक निरीक्षण करने पहुंचे उस दौरान बीडीओ अनुपस्थित रहे अचानक सीडीओ के पहुंचने से ब्लाक कर्मियो में हड़कंप मच गया कुछ कर्मचारी जो क्षेत्र में नहीं गए थे वे अचानक सीडीओ को देख ब्लाक परिसर में इधर-उधर छुपते छुपाते हुए देखें गये निरीक्षण के दौरान सबसे पहले उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया जिसमें दो कर्मी अनुपस्थित मिले जिन्हें एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया उसके बाद ब्लॉक के सभी कार्यालयों में कार्य कर रहे कर्मियों से उनके विभाग वार जानकारी ली तथा ब्लॉक परिसर में चारों तरफ गंदगी देखकर नाराजगी जाहिर की और विकास कार्यों की जानकारी के लिए मनरेगा प्रभारी एडीओ पंचायत आवास विभाग एवं अकाउंटेंट से ऑफिशियल कुछ फाइलों को मगा कर देखा और आवश्यक दिशा निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट करछना एसडीएम जागृति अवस्थी उदय भान आई एस बी,एडीओ पंचायत राम शिरोमणि त्रिपाठी अकाउंटेंट सोनू श्रीवास्तव मनरेगा प्रभारी मनीष शुक्ला सहित कई ब्लॉक कमी शामिल है।

जानलेवा साबित होने के बावजूद दुर्गागंज नहर की पुलिया पर नहीं बन रहा पुल

जंघई। वारी दुर्गागंज मार्ग पर स्थित दुर्गागंज बाजार के समीप नहर पर बनी पुलिया जीर्ण शीर्ण अवस्था में हो गई है है आवागमन बाधित हो रहा है क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधि इस रास्ते का प्रयोग करते हैं, कई वर्षों से कर रहे हैं लेकिन मूकदर्शक बनकर आते जाते हैं कोई मतलब नहीं कि पुलिया के उपर मजबूत पुल का निर्माण करवाया जाए। पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के कारण एक ट्रक नीचे नहर में गिर गई। पुलिया कभी भी भरभरा कर गिर सकती है लेकिन प्रशासन भी मूकदर्शक बनकर देख रहा है तमाम जनप्रतिनिधि एवं सत्तापक्ष के नेताओं से ग्रामीणों ने कई बार अपील किया इस पुलिया के नवीनीकरण हेतु लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया जिससे आम जनमानस में आक्रोश व्याप्त है हमेशा इस नहर पर दुर्घटना होती रहती है प्रतिदिन सैकड़ों लोग इस नहर की पुलिया से आवागमन करते हैं लेकिन पुलिया को पुल नहीं बनाया जा रहा है।

जमुनापार में अघोषित बिजली कटौती से जनता त्रस्त है : उज्जवल

अखंड भारत संदेश

करछना। प्रयागराज सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि अघोषित बिजली कटौती से जनता त्रस्त हो गई हैं।उक्त बातें सांसद ने लगातार जमुनापार का दौरा कर देखा कि सम्पूर्ण जमुनापार में 15-18 घंटे बिजली गायब रहतीं हैं जिससे जनता मे बहुत आक्रोश हैं वो लगातार शिकायत दर्ज करा रहे हैं कि इस भीषण गर्मी में बिना लाईट के जीवनयापन मुश्किल हो रहा है और साथ में ही धान की रोपाई का समय हैं वर्षा हो नहीं रही हैं सिंचाई के लिए बिजली मिल नहीं रही हैं इस वजह से बुआई भी पिछड़ रही हैं और मोहर्रम के महीने में बिजली कटौती अत्यंत दुखदाई हैं। सपा प्रदेश सचिव विनय कुशवाहा ने बताया कि जनता की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सांसद उज्जवल रमण सिंह ने तत्काल उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री ए.के शर्मा से टेलीफोन पर वार्ता कर कहा कि कुंवर रेवती रमण सिंह बिजली मंत्री थे तो सम्पूर्ण जमुनापार को बुंदेलखंड घोषित कराया था जिससे 20 घंटे बिजली की आपूर्ति होती थी।लेकिन आज स्थिति यह हो गई हैं कि बहुत से ऐसे गांव हैं जहां आज 20 घंटे बिजली गायब रहतीं हैं।उन्होंने मंत्री जी से कहा कि जमुनापार को कटौती मुफ्त किया जाय इसके सापेक्ष मंत्री जी ने सांसद से कहा कि मांग और सप्लाई में बहुत ज्यादा अंतर है जिसकी वजह से कटौती हो रही हैं जल्द सुधार हो जायेगा।

बार और बेंच के सामंजस्य से ही वादकारियों को मिलेगा न्याय : आकांक्षा सिंह

अखंड भारत संदेश

कोरांव। बार बेंच के आपसी सामंजस्य से ही वादकारियों को जल्द न्याय मिल सकता है। उक्त बातें तहसील कोरांव में नव नियुक्त उप जिलाधिकारी आकांक्षा सिंह ने कार्य भार ग्रहण करने के बाद तहसील सभागार में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं से अपने उद्बोधन में कही। नई एसडीएम कोरांव ने कहा कि थोड़ी सी बात में हो हल्ला करने से पहले यदि संवाद से बात बन जाए तो दूर दराज से आए गरीब, बुजुर्ग लोग प्रभावित नहीं होंगे। उनकी छोटी मोटी समस्या का त्वरित निस्तारण हो जाएगा। आकांक्षा सिंह ने अपना परिचय देने के बाद उपस्थित अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर पूर्व एसडीएम वर्तमान उपजिलाधिकारी न्यायिक कोरांव सुदामा वर्मा,नायब तहसीलदार बड़ोखर रणविजय सिंह मौजूद रहे। बार एसोसिएशन कोरांव के अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी व मंत्री विन्ध्वासिनी प्रसाद शुक्ल, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ल ने नवांगतुक अधिकारी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उक्त अवसर पर बार एसोसिएशन कोरांव के पूर्व अध्यक्ष राम चंद्र तिवारी,उमाकांत तिवारी, सुरेन्द्र कुमार दुबे, बी जी पाण्डेय,शेखर द्विवेदी,के पी सिंह, मोती लाल कुशवाहा,ललन कुमार तिवारी, विजय बहादुर सिंह, रोहिणी तिवारी, यादवेन्द्र अहीर, (ऑडिटर) अधिवक्ता बेद प्रकाश शुक्ल, रविशंकर यादव, विनोद उपाध्याय, शशि शेखर पाण्डेय, मुनि महेश तिवारी,आर पी सिंह कुशवाहा,निशा श्रीवास्तव आदि वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित थे। संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता जी के सिंह ने किया।

प्रयास यही होगा जनता फरियादी दुखी न रहें : एसडीएम कोरांव

नवागंतुक एसडीएम कोरांव आकांक्षा सिंह ने प्रेस प्रतिनिधि को भेंट के दौरान बताया कि सरकार की मंसानुसार जनहित में कानून व्यवस्था के तहत समस्याओं का निदान कराया जायेगा। उन्होंने इस प्रेस प्रतिनिधि शहजादे को बताया कि ग्राम समाज की सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा मुक्त कराकर भू अतिचारियों के विरुद्ध कार्यवाही करना और गरीब भूमिहीन लोगों को पुनर्वाशित करने उन्हे रहने बसने तथा समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करूंगी। इसमें लापरवाही बरतने वाले राजस्व कर्मियों और भू अतिचारियों को बख्शा नहीं जाएगा। एसडीएम ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने की बात कही और कहा कि लापरवाही बरतने तथा भ्रष्ट्राचार में लिप्त उच्चितदर विक्रेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। और कृषि तथा आवासीय आवंटन की कार्यवाही में विलंब नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार और सासन की मंशानुसार ही मुझे कार्य कर समस्याओं के अंबार को समाप्त करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। अवैध खनन,हरे पेड़ों के अवैध और मनमाने कटानों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। आकांछा सिंह ने कहा कि मेरा पूर्ण प्रयास होगा कि फरियादी और जनता दुखी न रहें। आम नागरिकों,अधिवक्ताओं और प्रेस मीडिया के लोगों से शांति और कानून व्यवस्था हित में सहयोग का आह्वान भी किया।

देवर ने भाभी को मारा पीटा दी जान से मारने की धमकी मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। परिवारिक विवाद को लेकर देवर और भाभी के बीच कहासुनी हुई। जिसपर देवर ने भाभी को मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बालाडीह निवासनीय प्रियंका देवी पत्नी तीरथ लाल यादव का आरोप है कि उसके देवर जगत लाल उर्फ कल्लू ने मामूली बात को लेकर उसे मारा पीटा तथा जान से मारने की धमकी दी।प्रियंका देवी की तहरीर पर पुलिस ने जगत लाल के खिलाफ मार पीट आदि की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

संस्कृति सभ्यता व व्यवहार को संजोती थीं लोक परम्पराएं : कवि धनंजय शाश्वत

सहसों। लगभग दो दशक पूर्व तक लोक परम्पराओं का निर्वहन करते हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में सुचारु ढंग से होता चला आ रहा था। परन्तु हमारी नई पीढ़ी इस तरह पाश्चात्य सभ्यता की मकड़जाल में जकड़ गई है कि मानो लोक परम्पराओं पर ग्रहण सा लग गया हो उक्त बातें हास्य व्यंग्य के प्रसिद्ध युवा कवि धनंजय शाश्वत ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कही। संस्कार भारती के उपाध्यक्ष एवं भाजपा गंगापार का जिम्मेदार पदभार संभाल रहे कवि ने कहा कि पुराने समय में जब गांव के कलाकारों द्वारा लगभग पूरे सावन भर जगह जगह कजरी, लोकगीतों का आयोजन वाद्य यंत्रो की झंकारों के साथ हुआ करता था जिसमें आपसी प्रेम भाव व सौहार्द के साथ सहभागिता की भावनायें जागृति होती थी घर की महिलाओं को भी झूला झूलते हुए समूह में कजरी गीत गाते देखा जाता था। गांव की बुजुर्ग महिलाएं सावनी उमंग में गाया करती थीं कि रमन म ध्यान धरहु शंकर के गाढ़े दिन कामे अइहीं न। वहीं युवतियाँ गाती थीं कि रूछोटी ननदी के बात न सोहाई पिया, हम करब लड़ाई पिया ना।। उन्होंने कहा लोक कलाकार कजरी गीतों के प्रतिस्पर्धा में भाग लेते और विजयी होने वाले कलाकारों को पुरस्कृत भी किया जाता था। परंतु उक्त कलाएं विलुप्त होती जा रही हैं जो चिंता का विषय बन गया है। कवि धनंजय शाश्वत ने कहा कि हमारे युवा पीढ़ी का भी रुझान सिर्फ फूहड़ता और नग्नता की ओर बढ़ता जा रहा है। संस्कार भारती के पदाधिकारी होने के नाते कवि ने बताया कि हमारी संस्कार भारती विलुप्त हो रही लोक कला, लोक नृत्य, लोकगीतों को संजोने के लिए प्रतिबद्ध है। जिसमें हर वर्ष माघ मेले में संस्कार भारती के कैंप में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिस मंच पर सिर्फ लोक विधाओं से जुड़ी कलाओं का ही आयोजन किया जाता है।

डिजिटलाइजेशन के विरोध में शिक्षकों का उमड़ा जन सैलाब

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति एवं विद्यालयी अभिलेखों को ऑनलाइन किए जाने के निर्देश के विरोध में शिक्षक,शिक्षा मित्र,अनुदेशक शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने विशाल धरना प्रदर्शन किया । संयुक्त मोर्चा ने शासन के उक्त निर्देश को तुगलकी फरमान कहते हुए इसके विरोध में माननीय मुख्यमंत्री जी को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से सौंपा। शिक्षकों की प्रमुख मांगो में 30 एछ, 15 अर्ध अवकाश, राज्य कर्मचारी का दर्जा, पुरानी पेंशन, वेतन विसंगति, ससमय प्रमोशन, (पदोन्नति) रही।

शिक्षकों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उन्हें शासन के दोहरे मापदंडों से सख्त ऐतराज है। शासन स्तर पर पूर्व में दिए जा रहे अवकाश जैसे प्रतिकर अवकाश, उच्च शिक्षा के अवकाश आदि जैसी सुविधाओं को समाप्त कर दिया गया है। जहां एक तरफ शासन स्तर पर शिक्षकों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को समाप्त किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ शिक्षकों को शिक्षणेत्तर कार्यों में संलग्न कर उनके मूल दायित्वों से विरक्त करते हुए उन्हें दोषी ठहराया जा रहा है। सभी शिक्षक निपुण भारत मिशन के तहत पूरी निष्ठा से अपना कार्य कर रहे हैं, उनकी परिस्थितियों को नजरअंदाज करते हुए शासन स्तर से ऐसे निर्देश जारी किए जा रहे हैं ।जो उनकी गरिमा के प्रतिकूल है। शिक्षक समाज को समय के साथ आवश्यक डिजिटलाइजेशन से कोई विरोध नहीं है किंतु उन्हें प्रदान किये जा रहे वैधानिक अधिकारों को समाप्त करने से समस्त शिक्षकों ,कर्मचारियों में रोष व्याप्त है।वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि शिक्षकों को पूर्व में दिए जा रहे अधिकारों व विज्ञापन के मांग पत्र में उल्लेखित मांगों को पहले शासन स्तर पर स्वीकृत किया जाए।फिर शिक्षक कर्मचारी सरकार/ शासन के डिजिट लाइजेशन संबंधी निदेशों पर विचार करने को तैयार हैं। यदि शिक्षक शिक्षा मित्र अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो आगामी समय में वृहद स्तर पर 29 जुलाई को महानिदेशक कार्यालय लखनऊ में धरना/ प्रदर्शन होगा।आज के इस विशाल शिक्षक कर्मचारी आंदोलन में उपस्थित शिक्षक/ शिक्षामित्र/ अनुदेशको में विनोद कुमार ,विवेकानंद आर्या, सुदेश पांडे ,शशांक मिश्रा इंद्रेश तिवारी ब्रह्म प्रकाश रवि शंकर मिश्रा आलोक श्रीवास्तव, उमेश शुक्ला ,अवनीश, संगीता सिंह अलका बाजपेई जितेंद्र कुमार ,वसीम अहमद ,अनुरागी, प्रशांत ओझा, अनुरागिनी, अश्वनी त्रिपाठी ,तपन सिंह ,अनुराग पांडेय,आर यादव ,श्री नारायण ,भोलानाथ पांडे, भारतेंदु त्रिपाठी ,दशरथ लाल, राकेश, सुमंत भार्गव, मांधाता ,महेंद्र यादव, पुष्पराज सिंह, दिनेश मिश्रा, बिंदु मौर्य, विजय यादव ,बबीता वर्मा ,संजीव रजक, शारदा शुक्ला अंकित शुक्ला ,आनंद प्रताप यादव ,अरविंद यादव ,दानिश इमरान ,जितेन शर्मा, ज्योति अरविंद ,अनीता वर्मा ,नीलम सिंह ,अलका वाजपेई ,बिंदु कुशवाहा, इंदु शर्मा आदि हजारों शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशकों ने प्रतिभाग किया।

महिला के हत्यारों की तलाश में पुलिस खंगाल रही सीसी टीवी

अखंड भारत संदेश

झूंसी। थाना क्षेत्र के पूरे सूरदास कछार में मिली अज्ञात महिला के शव की पहचान व उसके हत्यारे की तलाश में पुलिस ने सोमवार सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला 3 घंटे के भीतर 13 गाड़िया गुजरी है। पुलिस सभी गाड़ियों के मालिक से पूछताछ करेगी। सर्विलांस की भी मदद ली जा रही है। रविवार की दोपहर पूरे सूरदास कछार में बनी पुलिया के नीचे एक अज्ञात महिला का छतविछत शव मिला। महिला की पहचान मिटाने के लिए उसके चेहरे व सीने को कूच दिया गया है ऐसा लग रहा था जैसे तेजाब डाल कर जलाया भी गया हो और ठिकाने लगाने के लिए कातिल शव को बोर में भर कर यहा फैक गए। घटना स्थल से मिले बोर में पुलिस को चूहे मारने की दावा भी मिली है। घटना के खुलाशे के लिए पुलिस ने जिस सड़क के किनारे शव मिला है वहा लगे सीसी टीवी कैमरों को खगाला है। पुलिस की माने तो रात 1 बजे से लेकर 3 बजे के बीच में करीब 13 गाड़ियां गुजरी है सभी के नंबर को ट्रेस किया जा रहा है। सर्विलांस टीम भी लगी है।

लाल कार की है चर्चा : घटना को लेकर लोगों में तरह-तरह की चचाएं हैं कुछ लोगों का कहना है कि एक लाल कार का पता चला है जिससे कातिल आए और यहां लास ठिकाने लगा कर चले गये। सीसी टीवी में भी लाल कर दिखी है। वहीं कुछ लोग दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की भी चर्चा कर रहे है।

जिलाधिकारी ने मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल के द्वारा सोमवार को कलेक्टेट परिसर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जनपद में खाद्य पदार्थों में मिलावट की जॉच मौके पर ही किये जाने हेतु फूड सेफ्टी ऑन व्हील के दृष्टिगत मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।जिलाधिकारी के समक्ष मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के संचालक द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट की जॉच मौके पर करके दिखाया गया। सहायक आयुक्त खाद्य के द्वारा बताया गया कि मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के द्वारा मिल्क व मिल्क प्रोडक्ट्स एवं अन्य खाद्य पदार्थों जैसे-सरसों का तेल, हल्दी, मसाले, मिठाईयों में स्टार्च, डिटर्जेन्ट, माल्टो डेक्सट्रिन, अमोनियम सल्फेट इत्यादि की जॉच मौके पर ही करके खाद्य कारोबारियों एवं आमजनमानस को जागरूक एवं प्रशिक्षित किया जायेगा। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के वाहन का नियमित भ्रमण होता रहेगा। इस अवसर पर नगर मजिस्टेट विनोद कुमार सिंह, सहायक आयुक्त (खाद्य)-क्क, सुशील कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय कुमार सिंह एवं सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहें।

रोग हरण हनुमान मंदिर पर भण्डार आज

झूंसी। नई झूंसी रेलवे डाट पुल के पास स्थित रोग हरण हनुमान जी महाराज के जन्मोत्व पर देवरहा बाबा मंच न्यास द्वारा आज महा प्रसाद का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए आश्रम के महंत राम दास महाराज ने बताया कि रोग हरण हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष में 7 दिनों से राम नाम का संकीर्तन चल रहा है। जिसका समापन मंगलवार को शाम सुंदरकांड पाठ से किया जाएगा। महंत ने भंडारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों के जताने की अपील की है।

जागरुकता अभियान चलाकर ^डायल 112 पुलिस कर्मियों को किया गया जागरुक

प्रयागराज। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल टीम द्वारा सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में डायल 112 प्रयागराज में नियुक्त पुलिस कर्मियों के लिये साइबर जागरुकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग व शेयर बाजार में इनवेस्ट के नाम पर होने वाले फ्रॉड, ब्लैकमेलिंग के नाम पर पैसों की ठगी आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। कई बार साइबर फ्रॉड हो जाने पर पीड़ित/पीड़िता द्वारा मौके पर डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुला लिया जाता है, जिससे मौके पर पहुंचकर पीड़ित/पीड़िता को साइबर हेल्प लाइन नं0-1930 को डायल कर अपनी सूचना दर्ज कराने व आनलाईन शिकायत दर्ज कराने हेतु बतायें साइबर जागरुकता अभियान में शामिल उ0नि0 विनोद कुमार, क0आ0 ग्रेड ए जय प्रकाश सिंह व पुलिस टीम के जवान मौजूद रहें।

मण्डलायुक्त ने की सड़कों की खुदाई एवं निर्माण से सम्बंधित अन्तर्विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक

कार्यदायी संस्थायें अपर जिलाधिकारी नगर की अध्यक्षता में गठित कमेटी की अनुमति के बाद ही सड़कों की खुदाई एवं निर्माण का करेंगे कार्य-मण्डलायुक्त

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में सड़कों की खुदाई एवं निर्माण से सम्बंधित अन्तर्विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने सभी कार्यदायी संस्थाओं के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो विभाग सड़कों के निर्माण कार्य से जुड़े है तथा जिन विभागों को अपने कार्यों के लिए सड़कों के खुदाई का कार्य करना पड़ता है, ऐसे सभी विभाग जो आगामी छः माह के अंदर निर्माण/खुदाई का कार्य करने वाले है, ऐसे स्थानों को चिन्हित करते हुए उनकी कार्ययोजना बनाकर अपर जिलाधिकारी नगर को उपलब्ध कराये तथा अपर जिलाधिकारी नगर की अध्यक्षता में गठित कमेटी की अनुमति के बाद ही सड़कों की खुदाई एवं निर्माण का कार्य करेंगे। मण्डलायुक्त ने कहा कि जहां पर सड़कों का निर्माण कार्य होना है एवं अन्य विभागों के द्वारा उसी सड़क में खुदाई का कार्य भी किया जाना है, वहां पर सम्बंधित विभागों के द्वारा खुदाई का कार्य करने के बाद ही सड़कों का निर्माण कार्य कराया जाये। उन्होंने कहा कि सड़कों की खुदाई का कार्य अन्तर्विभागीय अनुमति की बजाय अपर जिलाधिकारी नगर की अध्यक्षता में गठित कमेटी से ही ली जाये।बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर के द्वारा बताया गया कि सड़कों की खुदाई के कार्य के लिए समिति के अनुमोदन हेतु सड़क निर्माण कार्य से सम्बंधित कार्यदायी संस्था की अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं कार्य करने के समय का निर्धारण करते हुए ही सम्बंधित विभाग अनुमति के लिए आवेदन करेंगे तथा खुदाई का कार्य होने के बाद दस दिन के अंदर सड़क को उसी गुणवत्ता के साथ उसी स्थिति में लायेंगे। इस अवसर पर नगर आयुक्त चन्द्र मोहन गर्ग, मुख्य अभियंता पीडब्लूडी ए0के0 द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी नगर मदन कुमार, अपर जिलाधिकारी मेला विवेक चतुर्वेदी, एसडीएम मेला अभिनव पाठक, अपर नगर मजिस्टेट-श्रीमती नीलम उपाध्याय, प्रेम नारायण, सुदामा वर्मा, जल निगम, एवं विद्युत विभाग के अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन द्वारा दिलाया गया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

सोरांव। स्थानीय तहसील क्षेत्र के विकास खंड होलागढ़ में सोमवार को जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत से नौ लोगों जिसमें आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकत्री, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, समूह सखी महिलाओ को प्रशिक्षण विकास खण्ड होलागढ़ क्षेत्र के राम कुमार शुक्ल पीजी कॉलेज सिंहगढ़ में दिलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राम कुमार शुक्ल द्वारा शुभारंभ किया गया। शुक्ल ने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री की स्वर्णिम योजना है। ग्राम पंचायत स्तर पर सभी लोगों को जागरूक करने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया जा रहा है। मिशन का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मेरा पथ एजुकेशन लिमिटेड द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य रूप से डीपीएमयू से मीना शुक्ला,अभिषेक शुक्ला, शिवाजी राठौर, ओमप्रकाश, सुभाष चंद्र, पंकज, सुशील कुमार, मोनिका, सिमरन, मयंक यादव,प्रमोद पटेल,ग्राम प्रधान सुभाष आदि लोग मौजूद रहे।

नैनी कांग्रेस कार्यालय पर खुशी का माहोल

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी कांग्रेस कार्यालय पर खुशी का माहोल सात राज्यों की 13 विधानसभा के उप चुनाव में इंडिया गठबंधन की शानदार विजय के परिणाम स्वरूप शहर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन के निर्देशन में नैनी कांग्रेस कार्यालय पर जन सामान्य एवं पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ के बीच मिष्ठान का वितरण किया गया साथ ही देवतुल्य मतदाताओं के प्रति आभार एवम धन्यवाद प्रकट किया गया। इस एतिहासिक जीत के अवसर पर आयोजित किए गए जश्न को मनाते हुए एक स्वर से कांग्रेस जनों ने कहा कि यह मिली हुई जीत जननायक आदरणीय राहुल गांधी के सत्याग्रह व संघर्षों की जीत है, और वास्तविक रूप में यह जनता के मन की जीत है, यहीं नहीं बल्कि इस उप चुनाव की जीत ने यह साबित कर दिया कि अब जाकर वास्तविक मूल्य पर लोकतंत्र की जीत हुई है। इस जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब देश के मतदाता गण बीजेपी व मोदी के झूठ के झांसे से हटना चाहती है। और यह बात इस उप चुनाव की जीत ने सिद्ध कर दिया है और आने वाले 2027 के चुनाव में बीजेपी का तथा उसके झूठ का अंत होगा और इंडिया गठबंधन अब पूरी ताकत के साथ पूरी मजबूती से जनता के मौलिक अधिकारों, बेरोजगारों, गरीबों, किसानों एवं महिलाओं की सुरक्षा के लिए कार्य करेगी। और इस जीत से लोगों में अपार खुशी थी। इस कार्यक्रम में प्रमुख रुप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हजारी लाल कुशवाहा, शहर कांग्रेस के शहर उपाध्यक्ष नयन कुशवाहा, शहर उपाध्यक्ष विवेक कुमार पाण्डेय, शहर महासचिव राकेश श्रीवास्तव, शहर सचिव विरेंद्र शर्मा, प्रदीप वर्मा, नागेश भारतीय, विनोद जैकब, वार्ड अध्यक्ष राज कुमार कुशवाहा, राजू भारतीय, जमाल अख्तर, वीरेंद्र यादव, जावेद ,मुन्ना जाफरी, दुलारे, राज कुमार भारतीय, इंदुबाला चौधरी, बेलाल कुरैशी, गुड्डू, कालीराम, ओम, उमा देवी, खुशी, मो एजाज, फतेह बहादुर कुशवाहा, रमेश भारतीय, सुनील सेन, सहित आदि कई कांग्रेस जन मौजूद रहे।

ट्रैफिक कंट्रोल के लिए पुलिस का बड़ा प्लान

कुम्भ में कितने वाहन और कितने लोग प्रयागराज में दाखिल हुए AI सब बता देगा

प्रयागराज। स्मार्ट सिटी के साथ साथ प्रयागराज में ट्रैफिक व्यवस्था भी अब विदेशों की तरह सरल और सुलभ होगी लोगो को ट्राफी जाम की परेशानियों से निजात तो मिलेगी ही साथ ही सड़क हादसे भी कम होंगे ,प्रयागराज कमिशनरेट पुलिस सड़क मार्ग को सुलभ बनाने और हादसे रोकने के लिए एक बड़ा रिसर्च कर रही है इस रिसर्च में पुलिस की अलग अलग टीम काम करके ये पता लगा रही है की आखिर प्रयागराज में सबसे ज्यादा हैवी ट्रैफिक किस जगह पर है और ट्रैफिक जाम की मुख्य वजह क्या है इसके अलावा पुलिस के विशेषज्ञ पिछले 5 सालों के रिकार्ड खंगाल कर सड़क हादसों का पता करेंगे , हादसों की वजह क्या थी ये जानने की कोशिश की जाएगी ताकि इसको सुधारा जा सके और लोगो की जान सड़क हादसों से बचाई जा सके। प्रयागराज कमिशनरेट पुलिस टीम जल्द ही इस रिसर्च को पूरा करके जाम की समस्या और सड़क हादसों को रोखने पर ठोस नीति बनाएगी जो जनता के लिए काफी राहत वाली बात होगी। इसके अलावा कुम्भ में ट्रैफिक कंट्रोल करने की भी नई योजना बनाई गई है।

यमुना में लगेगा फ्लोटिंग पंप, इंटकवेल में होगी जलापूर्ति, अब नहीं होगी पेय जल में परेशानी

प्रयागराज

यमुना का जलस्तर कम होने के बाद हर वर्ष शहर की पांच लाख आबादी को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ता है। लेकिन आने वाले दिनों में यमुना का जलस्तर कितना भी हो जाएगा पर पेजयल की समस्या से लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा।जलस्तर कम होने को बावजूद करैलाबाग में बने इंटकवेल में यमुना से पर्याप्त पानी की आपूर्ति होती रहेगी। क्योंकि जलकल विभाग की ओर से इंटकवेल भरने के लिए यमुना में फ्लोटिंग पंप लगाया जाएगा। इसके लिए 15 से 20 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। नोएडा की कंपनी से फ्लोटिंग पंप लगाने की लिए जलकल विभाग की ओर से वार्ता अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। खुसरोबाग में बने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से शहर में 23 से अधिक वार्डों में पेयजल की आपूर्ति की जाती है। 80 से 90 एमएलडी की आपूर्ति प्रतिदिन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से की जाती है। इसके लिए यमुना से 135 एमएलडी पानी प्रतिदिन लिया जाता है। लेकिन गर्मी के दिनों में जलस्तर कम हो जाने से इंटकवेल में पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है, जिसके चलते अतिरिक्त मोटर लगाई जाती है।इसके बावजूद पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है। वाटर टैंकर से जलापूर्ति कराई जाती है। जलकल के महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि गर्मी के दिनों में जलापूर्ति की समस्या न आए इसके लिए जल्द ही फ्लोटिंग पंप तैयार कराया जाएगा। गर्मी के दिनों में इसकी के माध्यम से इंटकवेल में पानी की आपूर्ति की जाएगी।

पुरा छात्रों का बड़ा सम्मेलन आयोजित करेगा सीएमपी

प्रयागराज। 15 जुलाई को सी एम पी डिग्री कॉलेज के एलुमनी एसोसिएशन की कार्यकारी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि नवंबर माह में सी एम पी डिग्री कॉलेज अपने पुरा छात्रों का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करायेगा। यह भी तय किया गया कि इस एसोसिएशन से अपने पुरा छात्रों को जोड़ने के लिए 20 जुलाई से सदस्यता अभियान चलाया जायेगा, जिसमें समाज के आम जनमानस का भी सहयोग लिया जायेगा। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रोफेसर के के भूटानी जी ने कहा कि यदि आप किसी भी कार्य में पूरी सफलता प्राप्त करना चाहते हैं तो उस कार्य को योजनाबद्ध और समयबद्ध तरीके से करना अति आवश्यक है। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे जी ने कहा कि एसोसिएशन जो निर्णय लेगा, जो भी योजना बनाएगा, उसमें कॉलेज पूरा सहयोग करेगा। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेंद्र श्रीवास्तव ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ आर बी एल श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ सत्यमवदा सिंह, डॉ तुषार श्रीवास्तव, डॉ विशाल श्रीवास्तव, डॉ सोनल खरे, श्री आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ रमेश कुमार भारती, श्री रत्नेश कुमार दीक्षित, हेड ऑफ डिपार्टमेंट एमसीए, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग , एलडीसी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूश, डॉ तान्या राय आदि उपस्थित रहे।

डिजिटल उपकरण से लैस होंगे प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट के सभी थाने

प्रयागराज। कमिश्नरेट पुलिस को तीन नए कानूनों के बेहतर संचालन के लिए शासन की तरफ से 2.33 करोड़ रुपये मिलेंगे।इन पैसों से 42 थानों व जांच अधिकारियों (आईओ) के लिए डिजिटल उपकरण खरीदे जाएंगे। बताया जा रहा है कि यह रकम जल्द जारी मिल सकती है।तीन नए कानूनों(बीएनएस, बीएनएसएस, बीएसए) के लागू होते ही शासन की तरफ से अपराध नियंत्रण के लिए सभी थानों को आधुनिक डिजिटल उपकरणों से लैस किया जा रहा है। इन उपकरणों का प्रयोग कर पुलिस अधिकारी समय रहते अपराधियों पर शिकंजा कस सकेंगे।जरूरी दस्तावेजों व अपराध के आंकड़ों को सुरक्षित रखने के लिए जिले के सभी थानों के लिए 2.25 लाख की लागत से 45 पोर्टेबल हार्ड डिस्क दी जाएंगी। इलेक्ट्रानिक डाटा को स्टोर करने व ट्रांसफर करने के लिए आईओ टीम को 1.5 लाख की लागत से 450 पेन ड्राइव दी जाएंगी। इसके अलावा फोरेंसिक वैज्ञानिकों और जांचकताओं के लिए 14 लाख की 45 फोरेंसिक किट बैग दिए जाएंगे। इस बैग में जांचकताओं के व्यक्तिगत सुरक्षा की सामग्रियां, साक्ष्य एकत्र व संग्रहीत करने के सभी प्रकार के उपकरण रहेंगे। यह जिले के सभी थानों में दिया जाएगा।इतना ही नहीं डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों को सुरक्षित एकत्र करने के लिए 1.51 करोड़ से अधिक की लागत से 760 स्मार्ट फोन व 64.4 लाख रुपये से स्मार्ट टैबलेट खरीदे जाएंगे। स्मार्ट फोन व टैबलेट जांच अधिकारियों (आईओ) को दिए जाएंगे। खास बात यह है कि इन डिजिटल उपकरणों की मदद से जांच अधिकारी अपने केस की विवेचना की प्रगति रिपोर्ट को अधिकारिक एप पर अपलोड करेंगे,जिसके माध्यम से पीड़ित केस की जांच रिपोर्ट को घर बैठे अपने मोबाइल फोन में देख सकेंगे। सभी उपकरणों को जल्द ही जिले के सभी थानों व जांच अधिकारियों को उपलब्ध कराया जाएगा। इनके इस्तेमाल के लिए पुलिस कर्मियों को विशेष ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

– दीपक भूकर, नगर डीसीपी

23 जुलाई को बीएसए कार्यालय में धरना प्रदर्शन की चेतावनी

आनलाइन उपस्थिति समाप्त करने के लिये बीएसए को शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ऑनलाइन उपस्थिति समाप्त करने के संदर्भ में ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल एवं जिला मंत्री विनय सिंह सहित हजारों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल ने कहा कि आज पूरे उत्तर प्रदेश में शिक्षक आंदोलन कर रहा है। इसका कारण यह है कि जब शिक्षक के सम्मान पर चोट पहुंचाई जाती है और सरकार लगातार शिक्षकों के प्रति गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाती है तो शिक्षक हड़ताल करने के लिए बाध्य होता है। उन्होंने कहा कि जब तक समस्याओं का निस्तारण नहीं किया जाता है तब तक ऑनलाइन उपस्थिति का प्राथमिक शिक्षक संघ एवं बेसिक शिक्षा के सभी शिक्षक बहिष्कार करते रहेंगे। इसी क्रम में प्रयागराज मंडल के मांडलिक मंत्री अनिल पांडे ने कहा कि यदि 22 जुलाई तक हमारी मांगे नहीं मानी जाती है तो 23 जुलाई को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसी क्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष राजेश ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा ही पूरे शैक्षिक जगत की नीव है। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश पांडे ने कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति का बहिष्कार शिक्षकों के मान सम्मान एवं उनकी अस्मिता से जुड़ा हुआ विषय है। इस अवसर पर रामानंद मिश्रा, पंकज तिवारी, अजीत कुमार, मनोज कुमार, सुधीर, प्रभाकर प्रताप सिंह, मानवेंद्र द्विवेदी, अरुणपति, धर्मेंद्र शुक्ला, संतोष मिश्रा, राकेश सिंह, निर्भय सिंह, बलराम पाठक, बृजेश सिंह, विजय कुमार मिश्रा, बालेंद्र शुक्ला, सुशील तिवारी, बृजेंद्र पांडेय, विनोद कुमार, प्रभात कुमार, शैलेश कुमार सिंह, राजीव कुमार, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

बीएसए को ज्ञापन देते प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

सीबीएसई की पूरक परीक्षा में बैठे 1200 परीक्षार्थी

जिले के दो परीक्षा केन्द्रों न्यू एंजिल्स व संस्कार स्कूल में शुरु हुई पूरक परीक्षाएं

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सीबीएसई बोर्ड की पूरक परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो गई हैं। ये परीक्षाएं 22 जुलाई तक चलेंगी। इसके लिए प्रतापगढ़ में दो केंद्र बनाए गए हैं। जिले में दो केंद्रों न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल तथा संस्कार ग्लोबल स्कूल में कक्षा 10 तथा कक्षा 12 की परीक्षा हुई जिसमें लगभग 1200 परीक्षार्थी शामिल हुए।

सीबीएसई के सिटी कोआर्डिनेटर व न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल के प्रधानाचार्य वीके सोनी ने बताया कि इस संबंध में सीबीएसई ने परीक्षार्थियों और अभिभावकों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। परीक्षा देने वाले छात्रों का प्रवेश परीक्षा केंद्र पर सुबह 9 बजे से शुरू हुआ। दस बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं देने का आदेश सीबीएसई द्वारा दिया गया था। सीबीएसई कक्षा 10 की पूरक परीक्षा छह दिनों के लिए आयोजित की गयी है। उन्होंने बताया कि 15 से 22 जुलाई तक परीक्षाएं चलेंगी। अधिकांश पेपर सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक तीन घंटे के लिए आयोजित किए जाएंगे, जबकि कंप्यूटर एप्लीकेशन और सूचना प्रौद्योगिकी के पेपर परीक्षा के अंतिम दिन सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक दो घंटे के लिए आयोजित किए जाएंगे। न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल की चेयरपर्सन डा0 शाहिदा ने बताया कि परिक्षार्थियों को केवल पारदर्शी पेंसिल केस ही साथ लेकर जाना था जिसमें आवश्यक लेखन सामग्री हो। परीक्षा के दौरान छात्रों को केवल रॉयल ब्लू और ब्लैक पेन या ब्लू और ब्लैक जेल पेन का ही प्रयोग करना था। परीक्षा कक्षा में किसी भी प्रकार की लिखित सामग्री, कैलकुलेटर, लॉगबुक, पेनड्राइव, इलेक्ट्रॉनिक पेन, मोबाइल फोन, जीपीटी चैट, हेल्थ ब्रेसलेट, स्मार्ट वॉच प्रतिबंधित था। किसी भी प्रकार का भोजन लाने की अनुमति भी नहीं थी। केवल मधुमेह रोगी ही भोजन ला सकते थे। बता दें कि इस साल दो लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स सीबीएसई बोर्ड कंपार्टमेंट परीक्षा देंगे। ये सभी स्टूडेंट्स सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 में एक या दो विषयों में फेल हो गए थे।

न्यू एंजिल्स स्कूल से पूरक परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी।

समृद्धि शुक्ला ने प्राप्त किया शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए युवाओं व गोल्ड मेडल, दी गई बधाई महिलाओं की भागीदारी आवश्यकः श्यामलाल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। 10 जुलाई से 14 जुलाई तक लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ की समृद्धि शुक्ला ने 64 किलो से कम भार वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त कर जनपद का गौरव बढ़ाया है।

फाइनल फाइट में समृद्धि ने बहराइच की खिलाड़ी को लगातार दो सटों में पराजित कर स्वर्णिम सफलता अर्जित की समृद्धि की सफलता पर क्रीडा अधिकारी पूनम लता राज ने ताइक्वांडो प्रशिक्षक रणजीत यादव एवं उनकी प्रशिक्षु को हार्दिक शुभकामनाएं दी है और अपने ऑफिस में बुलाकर मेडल पहनाकर व प्रमाण पत्र देकर समृद्धि का उत्साह वर्धन किया। इस मौके पर समृद्धि के पिता राघवेंद्र नाथ शुक्ला, जिला प्रवक्ता भाजपा क्रिकेट कोच आदित्य शुक्ला, हैंडबॉल कोच सचिन शुक्ला, कबड्डी कोच जयप्रकाश यादव, दुर्गेश तिवारी, विक्रम प्रताप सिंह सहित बहुत सारे खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

गोल्ड मेडल के साथ समृद्धि शुक्ला।

विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा समाज के लोगों ने बैठक कर तैयार किया रूपरेखा

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ। नगर पंचायत मानिकपुर स्थित विश्वकर्मा मंदिर मे रविवार को विश्वकर्मा समाज के लोगों की एक बैठक मंदिर अध्यक्ष राम लखन विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें आगामी 17 सितंबर विश्वकर्मा पूजा को निकाली जाने वाली शोभायात्रा को भव्य व ऐतिहासिक बनाने के लिए रूपरेखा तैयार किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि शोभायात्रा निकालने से पहले कुंडा कस्बा स्थित पुराना बसअड्डा परिसर में सभी लोग एकत्रित होंगे। इसके बाद यात्रा कुंडा कस्बे का भ्रमण करते हुए विश्वकर्मा मंदिर पहुंचेगी। जहां पर धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस शोभायात्रा में कई तरह की झांकियां भी सजाई जाएंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने व व्यापक प्रचार प्रसार के लिए युवाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। संरक्षक श्यामलाल विश्वकर्मा ने कहाकि विश्वकर्मा समाज का यह आयोजन भव्य व ऐतिहासिक बने इसके लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होना होगा। इस आयोजन से समाज में परस्पर भाईचारा व एकता का संदेश देना है। उन्होंने कहाकि आयोजन को सफल बनाने के लिए युवाओं व महिलाओं की भागीदारी भी आवश्यक है। बैठक में जुगनू विश्वकर्मा, विनोद विश्वकर्मा गुरुजी, छेदीलाल, राजकुमार, शिक्षक सत्येंद्र विश्वकर्मा, युवा नेता स्वास्तिक विश्वकर्मा व प्रदीप विश्वकर्मा प्रधान ने भी अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए कई सुझाव दिए। बैठक के बाद समाज के लोग अतौलिया गांव पहुंचे। जहां पर वज्रापात से हुई क्रांति विश्वकर्मा की मौत पर स्वजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की। इस मौके पर ग्राम प्रधान अतौलिया ब्रजेश कुमार यादव, आनिल विश्वकर्मा, सौरभ विश्वकर्मा, लवलेश, विजय कुमार, राजेश आदि लोग मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद विश्वकर्मा समाज के पदाधिकारी।

रिटायर्ड बाबू के घर से चोर उठा ले गए जेवरात, नगदी समेत रायफल

नगर स्थित जैनपुर की घटना से दहशत में लोग, जांच में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। रिटायर्ड बाबू के घर में दाखिल चोरो ने लाखों के जेवरात, नगदी समेत रायफल को उठा ले गए। छत पर सो रहे परिजनों को जब सुबह घटना की जानकारी हुई तो वह पुलिस को सूचना दी। घटना शनिवार रात की है।

स्थानीय कोतवाली के नगर के अझारा जैनपुर निवासी उमाशंकर तिवारी रोडवेज विभाग से सेवानिवृत्ति बाबू है। उमाशंकर ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह परिजनों के साथ छत पर सो रहे थे। प्रार्थी के मुख्य दरवाजा को चोरों ने किसी उपकरण से छेदकर सिटकनी खोलकर घर में दाखिल हो गए। आलमारी में रखा 50 ग्राम सोना, दो किलो चांदी, चालीस हजार नगद, एक रायफल व बीस कारतूस चोर उठा ले गए। प्रार्थी सुबह साढ़े तीन बजे उठा तो घर मे बिखरे सामानों को देखकर सन्न रह गया। घटना लगभग रात 12 बजे से 3 बजे के बीच की है। पीड़ित ने घटना की सूचना डायल 112 के साथ पड़ोसियों को दी। घटना की जानकारी होते ही पुलिस के साथ बगल के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस चोरों को खोजने का प्रयास भी किया लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। उसके बाद पीड़ित कोतवाली पहुंचकर पुलिस को अज्ञात चोरों के विरुद्ध तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

जिला कचेहरी में आनलाइन हाजिरी के विरोध मे संयुक्त मोर्चा ने भरी हुंकार

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा विरोधः संयुक्त मोर्चा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बेसिक शिक्षकों की व्यवहारिक समस्याओं को नजर अंदाज करते हुए महानिदेशक द्वारा आनलाइन उपस्थिति का आदेश आठ जुलाई से लागू कर दिया है, जिसके विरोध मे शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश के आह्वान पर उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों के साथ ही संयुक्त मोर्चा प्रतापगढ़ द्वारा कचहरी में सांकेतिक धरना और जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सम्बोधित सात सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा। सांकेतिक धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता शाह आलम तथा संचालन सुशील शुक्ल ने संयुक्त रुप से किया।

मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी के माध्यम से सौपते हुए संयोजक मण्डल ने कहा कि यदि हमारी मांगे न मानी गयी तो 29 जुलाई को हम प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ घेरेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शाह आलम ने कहा कि शिक्षक, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संयुक्त मोर्चा वचनबद्ध है। धरना को संबोधित करते हुए राहुल पाण्डेय जिलाध्यक्ष प्रा.शि.संघ ने कहा कि ऑनलाईन उपस्थिति पूर्णतया अव्यवहारिक नियमों एवं सेवा शर्तों के विरूद्ध है यह स्वीकार्य नहीं। सी.पी.राव जिलाध्यक्ष अटेवा ने कहा कि समस्त शिक्षक/कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल की जाए।इस मौके पर मीना पुष्पाकर, डा.विनोद त्रिपाठी जिलाध्यक्ष विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ, राजेश मौर्य जिला संयोजक टी.एस.सी.टी., मुकेश दुबे जिलाध्यक्ष यूटा, रीना सिंह जिलाध्यक्ष आदर्श शिक्षामित्र वेल.एसो., तेजश्वी शुक्ल प्रदेशाध्यक्ष अनुदेशक शिक्षक एसो., आशीष सिंह जिलाध्यक्ष अनुदेशक संघ, संयुक्त मोर्चा के जिलामंत्री रामयश कुरील, ऐनुल हसन जिलाध्यक्ष लेखपाल संघ, राजेश कुमार सरोज, ललित मिश्र, उमेश मिश्र, स्नेह कुमारी शुक्ला, गिरजा शंकर मिश्र, नवनीत सिंह आदि मौजूद रहे।

अधिकारी को ज्ञापन देते संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारीगण।

रास्ते के विवाद के विवाद में चले लाठी डंडे, आधा दर्जन घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कंधई थाना क्षेत्र रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चली जिसमें तीन महिलाएं सहित आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को कस बेलखरनाथ धाम भेजा है। कंधई थाना क्षेत्र के पूरे चिरंजीव महेशपुर गांव निवासी लाल बहादुर सिंह व देवी प्रसाद सिंह के बीच रास्ते का विवाद काफी दिनों से चला रहा था, जिसको लेकर दोनों पक्षों में शुक्रवार को कहासुनी के बाद मारपीट हो गई, जिसमें प्रथम पक्ष से लाल बहादुर सिंह, मदन सिंह, मुन्ना सिंह ,विजय कुमार सिंह सहित तीन महिलाएं व दूसरे पक्ष से देबी प्रसाद सिंह, त्रिवेणी सिंह, तथा उनके दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को अस्पताल भेजा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि रास्ते के विवाद में कई बार मारपीट हो चुकी है।

किशोर को बचाने के चक्कर में अर्टिगा कार पलटी, किशोर व चालक घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। किशोर को बचाने के चक्कर में आर्टिका कार सड़क किनारे अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें किशोर व चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर पहुंचे आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को सीएचसी बेलखरनाथ धाम भेजा। सूचना पर पहुंची पुलिस कार को पुलिस चैकी पर लेकर चली गई। फतनपुर थाना क्षेत्र के अवधानपुर गांव के उमेश सिंह (40) अपनी अर्टिगा कार का सर्विस करवाने जिला मुख्यालय जा रहें थे। जैसे वह दिलीपपुर थाना क्षेत्र के सरखेलपुर गांव के पास पहुंच उसी दौरान गांव का ही पांच वर्षीय साकिब पुत्र तबारक अली सड़क पार कर रहा था उसी को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इस दौरान साकिब व कार चालक उमेश सिंह को भी चोटें आ गई। घटना की जानकारी होने पर आसपास के लोगों ने घायल किशोर व चालक को इलाज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाबा बेलखरनाथ धाम ले भेजा। मौके पर पहुंची बेलखरनाथ चैकी पुलिस गड्डे से कार बाहर निकलवा कर चैकी ले गयी।

प्रतापगढ़ के गौरव थे कविवर उन्मत्तः धर्माचार्य

आद्या प्रसाद मिश्र उन्मत की मनी 89वीं जयंती

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अवधी सम्राट के नाम से विख्यात स्व0 आद्या प्रसाद मिश्र उन्मत्त की 89वीं जयंती के अवसर पर प्रतापगढ़ स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में प्रचंड एसोसिएट्स कार्यालय पर प्रबुद्ध जनसमागम एवं उन्मत्त काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें साहित्यकारों एवं समाजसेवियों ने पहुंच कर स्व0 उन्मत्त को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में आए हुए समस्त अतिथियों ने कार्यक्रम के पूर्व स्व0 उन्मत्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते हुए उनको श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत उभरती कवयित्री कल्पना तिवारी के द्वारा सरस्वती वंदना के मधुर वाचन से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रख्यात साहित्यकार जनकवि प्रकाश ने स्व0 उन्मत्त को अवधी साहित्य का सिरमौर बताते हुए कहा कि उनकी रचनाएं समाज के हर हिस्से की बात कहती थीं। उन्होंने कहा कि उन्मत्त जी असंख्य कवियों और रचनाकारों के लिए गुरुकुल समान थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित धर्माचार्य ओम प्रकाश पांडेय अनिरुद्ध रामानुज दासष् ने स्व0 उन्मत्त के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वाल न्यायाधीश होते हुए भी वे अधिकांशतः साइकिल से ही चलते थे। वह प्रतापगढ़ के गौरव थे। इस मौके पर साहित्यकार हरि बहादुर हर्ष, गजेंद्र सिंह विकट, राजेश प्रतापगढ़ी, तनु मिश्र, मनु मिश्र ने एक से बढ़कर एक रचनाएं सुनाकर वातावरण में ओज भर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि पंडित राम सेवक त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के आयोजक स्व0 उन्मत्त जी के पोते एडवोकेट गौरव प्रचंड ने आए हुए समस्त अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आद्याा प्रसाद मिश्र उन्मत को श्रद्धांजलि देते साहित्यकारगण।

चोरों के आतंक से रतजगा को मजबूर हुए लोग

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय कोतवाली में चोरों के आतंक पर पुलिस अंकुश लगा पाने में असफल दिखाई दे रही है। वहीं लोगो ने खुद की सुरक्षा का जिम्मा उठाते हुए रतजगा करने को मजबूर है। बीते 28 जून की रात वर्मा नगर में शिक्षक वंशीलाल के घर व दुकान के साथ ही पूरे हरिकिशुन में अमिताभ मिश्र के घर को चोरों ने बनाया था निशाना। 30जून को विकास नगर निवासी हरकेश कोरी के घर में चोरों ने चोरी की थी। 3 जुलाई को पूरे गजई गंगाराम निवासी पियूष पाण्डेय के घर से लाखो की चोरी की घटना के साथ 11 जुलाई को पयागीपुर के श्यामलाल व सरोज देवी के साथ 10 जुलाई को अमावा स्थित अंबिका पब्लिक स्कूल में चोरों ने घटना को अंजाम देना जारी रखा।

निलम्बन की जांच के लिये एसडीएमरानीगंज बने जांच अधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उपजिलाधिकारी रानीगंज/जांच अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि तहसील पट्टी में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी इन्द्रभान सिंह के बिना किसी सूचना व अवकाश के ड्यूटी से गायब होने आदि के परिप्रेक्ष्य में जिलाधिकारी के आदेश के अन्तर्गत निलम्बित करते हुये उपजिलाधिकारी रानीगंज को जांच अधिकारी नामित किया गया है। अपचारी कर्मचारी के विरूद्ध आरोपो का गठन कर जिलाधिकारी के पत्र के अन्तर्गत आरोप पत्र निर्गत किया गया है। अपचारी कर्मचारी पर आरोप पत्र तामील कराने हेतु विभिन्न प्रयास किये गये किन्तु अपचारी कर्मचारी का कोई पता ही नहीं चल पा रहा है। अपचारी कर्मचारी के बारे में किसी के द्वारा कोई जानकारी नहीं दी जा सकी। इतना ही नही बल्कि यह भी संज्ञान में आया है कि अपचारी कर्मचारी पर निलम्बन आदेश का भी तामीला नही हो पाया है। प्रकरण में चूंकि अपचारी कर्मचारी पर आरोप पत्र का तामीला नही हो पा रहा है जिसके कारण उसकी ओर से आरोपो के परिप्रेक्ष्य मे प्रत्युत्तर नहीं प्राप्त हो रहा है, जिसके कारण विभागीय कार्यवाही में जांच कार्यवाही पूर्ण करना सम्भव नहीं हो पा रहा है। ऐसी दशा में प्रश्नगत प्रकरण में गजट प्रकाशित कराने के उपरान्त विभागीय कार्यवाही पर निर्णय लिया जाना उचित होगा।

तीन पहिया टेम्पो अनियंत्रित होकर पलटा, प्राइवेट शिक्षिका की मौत

प्राईवेट स्कूल में कुछ दिन पहले ज्वाइन किया था

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। सोमवार को सुबह स्कूल जा रही प्राइवेट शिक्षिका की तीन पहिया टेम्पो के सामने अचानक बंदर और कुत्ते लड़ते हुए आ गये। कुत्ता टेम्पो के आगे के पहिया के मेड़ गार्ड में फंस गया टेम्पो पलट गया। टेम्पो में बैठी कोतवाली नगर क्षेत्र के रंजीत पुर चिलबिला गांव निवासी रंजना वर्मा 38 पुत्री राम सुन्दर पांच दिन पहले दीवानगंज बाजार के समीप एक प्राईवेट स्कूल में प्राईवेट शिक्षिका के तौर पर ज्वाइन किया था। घर से आते समय दीवानगंज चैराहे के पास अचानक बंदर और कुत्ते के सामने आने से टेम्पो चालक अनियंत्रित होकर पलट गया। रंजना वर्मा को घायल अवस्था में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां हालत गंभीर होने पर स्वरुप रानी मेडिकल कॉलेज प्रयागराज रेफर कर दिया रास्ते में रंजना की मौत हो गई। शव को चैकी दीवानगंज पुलिस कब्जे में लेकर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अष्टधातु की मूर्ति बरामद, अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूर्ति की कीमत 42 लाख

कौशाम्बी की एसओजी और सराय अकिल थाना पुलिस ने पिता- पुत्र सहित तीन मूर्ति चोरों को किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले की एसओजी और सराय अकिल थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए मूर्ति चोरी करने वाले पिता पुत्र सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है उनके कब्जे से पुलिस ने मूर्ति बरामद की है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 42 लाख बताई जाती है पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान चित्रकूट और मध्य प्रदेश के तीन युवकों को गिरफ्तार कर पकड़े गए युवकों से अष्टधातु की लगभग 10 किलो की मूर्ति बरामद की है,बरामद मूर्ति की अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 42 लाख

कीमत बताई जा रही है।पुलिस ने लिखापढ़ी कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहा से उन्हें जेल भेज दिया गया। सीओ चायल मनोज सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना सराय अकिल मय हमराह पुलिस बल व एसओजी टीम द्वारा चेकिंग के दौरान थाना सराय अकिल पर मूर्ति चोरी से सम्बन्धित पंजीकृत मु.अ.सं. 295/24 457/ 380/ 504/ 506/ 411 भादवि के 03 अभियुक्तो नामित संदीप सोनी पुत्र सुनील सोनी निवासी सुभाष नगर कस्बा मानिकपुर थाना मानिकपुर जनपद चित्रकूट वा प्रकाश में आए आशिक अली पुत्र स्व० अनवर अली वा प्रकाश मे आए सलमान अली पुत्र आशिक अली निवासी गण पाण्डेय टोला ओल्ड गर्ल्स स्कूल नगौर थाना नगौर जिला सतना मध्य प्रदेश को पावर हाउस फकीराबाद रोड के पास से गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से चोरी गयी मूर्ति के टुकडे बरामद किया गया, जिसका कुल वजन तौल से करीब 10 किलो 296 ग्राम पाया गया जिसकी अनुमानित कीमत 42 लाख रुपए है। पुलिस ने लिखापढ़ी कर सभी आरोपियों को न्यायालय पेश किया जहा से उन्हें जेल भेज दिया गया।

सरकारी भूमि से अवैध तरीके से मिट्टी खनन की डीएम से शिकायत

कौशाम्बी। सरकारी भूमि से मिट्टी खनन का काम माफिया नहीं रोक रहे हैं और तहसील के अधिकारी सरकारी भूमि से मिट्टी खनन करने वाले माफियाओं पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं पूरे जिले की सरकारी भूमि को बर्बाद करने में भू माफिया लगे हैं जो सरकारी भूमि से मिट्टी खनन करके उसे बेच रहे हैं चचाओं पर जाए तो पूरे जिले में सरकारी भूमि से मिट्टी खनन करके माफियाओं ने 50 करोड़ से अधिक की मिट्टी बेच कर अकूत संपत्ति अर्जित कर ली है सरकारी जमीन से अवैध तरीके से मिट्टी खनन का यह मामला बड़ा गंभीर है लेकिन उसके बाद भी अधिकारी मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं अधिकारियों की लापरवाही के बाद नगर पंचायत चरवा के दर्जनों लोगों ने सोमवार को जिला अधिकारी मधुसूदन हूल्गी से मुलाकात कर मिट्टी के अवैध खनन के बारे में जानकारी दिया माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से सरकारी भूमि से लगातार मिट्टी खनन के कार्यों को रोकने की मांग की गई है साथ ही साथ बीते दिनों सरकारी भूमि से जितनी मिट्टी खनन हुई है उसकी जांच करा कर उसकी कीमत की वसूली भू राजस्व की भांति माफियाओं से किए जाने की ग्रामीणों ने मांग की है।

न्यूज झरोखा

सब्जी मंडी बनी युद्ध का मैदान दौड़ा दौड़ा कर पीटा

गुलामीपुर कौशांबी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सैनी चौराहे के पास स्थित सब्जी मंडी सोमवार की सुबह युद्ध का मैदान बन गई वाहनों को हटाने के लिए रामचंद्र पासी और ईलू आदि के बीच शुरू हुई बातचीत विवाद में बदल गई और देखते-देखते मारपीट शुरू हो गई दौड़ा दौड़ा कर लोगों को पीटा गया है युद्ध का मैदान बनी इस सब्जी मंडी में झगड़े के सैकड़ो लोग गवाह है मौके पर पहुंची पुलिस भी तमाशबीन बनी रही है एक पक्ष के रामचंद्र पुत्र श्री चंद्रप्रसी निवासी नरसिंहपुर कछुआ कोतवाली सैनी ने दूसरे पक्ष के इलू पुत्र बन्ने निवासी मुगहरी कोतवाली सैनी और सैय्यद महताब हुसैन पुत्र सैय्यद इकबाल हुसैन निवासी निन्दूरा सैनी सहित 8 10 अज्ञात लोगों के बिरुद्ध पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है पुलिस ने तहरीर लेकर दो नामजद सहित आठ दस अज्ञात लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

कोखराज इंस्पेक्टर ने मोहर्रम के जुलूस यात्रा को लेकर क्षेत्र में किया पैदल गस्त

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने पुलिस फोर्स के साथ मोहर्रम के त्यौहार और यात्रा की सफलता को लेकर के कोखराज थाना क्षेत्र के चाकवन चौराहे से होकर कर्बला को जाने वाले रास्ते में पैदल गस्त किया इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की स्थिति जानी लोगों से शांतिपूर्वक तरीके से यात्रा मोहर्रम का त्यौहार मनाने की अपील की पैदल गस्त के दौरान कोखराज कोतवाल ने वाहनों के अभिलेखों की जांच की लोगों को कानून का पाठ पढ़ाया और साथ ही साथ सड़कों पर वाहन न खड़े करने पुल के नीचे तमाम दुकानदारों को समझाया कि जाम न लगने पाए इसका विशेष ध्यान रखें और लोगों को हिदायत दी है इस दौरान उन्होंने संदिग्ध लोगों की जांच पड़ताल की और उन्हें कठोर चेतावनी दी है पैदल गस्त के दौरान आम जनमानस व्यापारी और दुकानदारों से वार्ता की कानून व्यवस्था की जानकारी ली और लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

विजय प्रकाश तिवारी मुख्य आरक्षी से बने दरोगा

कौशाम्बी। पिपरी थाना के चायल पुलिस चौकी में तैनात मुख्य आरक्षी विजय प्रकाश तिवारी का प्रमोशन हुआ है विजय प्रकाश तिवारी का मुख्य आरक्षी से दरोगा के पद पर प्रमोशन होने पर चायल चौकी प्रभारी चंदन सिंह और रामस्वरूप ने विजय प्रकाश तिवारी मुख्य आरक्षी को स्टार लगाकर बधाई और शुभकामनाएं दी है।

पत्रकार की बहन के निधन पर लोगों ने व्यक्त किया दुख

कौशांबी। मनौरी बाजार निवासी राकेश कुमार केसवानी हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार हैं उनकी बहन राधा केसरवानी उम्र लगभग 65 वर्ष का सोमवार की दोपहर लगभग 12:00 बजे देहांत हो गया है शाम 4:00 बजे राधा केसरवानी का अंतिम संस्कार गंगा नदी के किनारे फतेहपुर घाट पर हिंदू विधान से किया गया है जैसे ही इस बात की जानकारी पत्रकारों को लगी लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर पत्रकार की बहन राधा केसरवानी की आत्मा की शांति की कामना प्रभु से की है

बैशकांटी ग्राम प्रधान ने वितरित किया निशुल्क पौधे

अषाढा कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के बैशकांटी ग्राम प्रधान संतोष सिंह पटेल उर्फ देवेंद्र सिंह ने जनसभा लगाकर निशुल्क पौधों का बितरण किया है इस मौके पर उन्होंने पौधों से वृक्ष तैयार करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया और वृक्ष के लाभ बताए हैं उन्होंने कहा कि मानव जीवन में वृक्ष का बड़ा महत्व है और वृक्ष के बिना मानव जीवन अधूरा है इसलिए प्रत्येक ग्रामीण पौध लगाए और वृक्ष तैयार करें।

सीलन से गिरा कच्चा मकान, बाल बाल बचा परिवार

अझुवा कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के कैमा गांव में बारिश से हुई सीलन के चलते सोमवार की सुबह एक कच्चा मकान भरभरा कर गिर गया। मकान को गिरता देख बरामदे में बैठीं मां-बेटी भागकर बाहर निकल गईं। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया।कैमा गांव के पवन विश्वकर्मा का कच्चा मकान है। इन दिनों वह किसी काम से वाराणसी गया हुआ है। घर पर पत्नी पुष्पा देवी, बेटी अदिति घर में मौजूद थी। सोमवार को मां-बेटी घर के बरामदे में बैठी थीं। इसी दौरान अचानक तेज आवाज के साथ पूरा घर भरभरा कर बैठ गया। गनीमत रही कि आवाज होते ही बरामदे में बैठी मां-बेटी भागकर बाहर चली गईं। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया। उधर कच्चा मकान गिरने से कपड़े, खाने-पीने का सारा सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया है। इससे पीड़ित परिवार के सामने रहने और खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है।

गांव की गलियों में जल जमाव और कीचड़ से ग्रामीण परेशान

चायल कौशाम्बी। चायल तहसील के सिंहपुर गांव में विकास योजनाओं के नाम पर लाखों की रकम सरकारी बजट से खर्च कर दिए जाने के बाद गांव में जल निकासी का समुचित प्रबंध नहीं हो सका है जिससे बरसात शुरू होते ही गांव की गलियों और सड़कों में पानी भर जाने लगा है ग्रामीणों को कीचड़ और जल भराव के बीच गांव से निकलने में दिक्कतों से जूझना पड़ता है जबकि गांव में नाली निर्माण के नाम पर पूरे वर्ष बजट खर्च किया जाता है लेकिन उसके बाद भी नाली का निर्माण ठीक तरीके से नहीं हुआ है कई बार ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी चायल और तहसील दिवस सहित विभिन्न अधिकारियों से जल भराव की शिकायत की लेकिन जल निकासी का प्रबंध नहीं हो सका है गांव की गली और सड़क से जल निकासी न होने के कारण ग्राम सभा के आम रास्ते में जल जमाव व कीचड़ से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानियां उत्पन्न हो रही है कई शिकायतों के बावजूद जल जमाव का कोई निस्तारण नहीं हुआ है जिससे व्यवस्था में सुधार करने की बात करने वाले अधिकारियों के कार्यों का अंदाजा लगाया जा सकता है।

भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में एक पेड़ मां के नाम अभियान का आयोजन

भरवारी कौशाम्बी। भवंस मेहता महा विद्यालय भरवारी में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सोमवार को "एक पेड़ मां के नाम"अभियान का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग कियो कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर रूबी चौधरी ने किया ,उन्होंने सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्रांगण में वृक्षारोपण करके क कार्यक्रम की शुरूआत की उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए पर्यावरण का अर्थ, उसकी महत्ता और वर्तमान समय में पर्यावरण के बदलते स्वरूप पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला अपने व्याख्यान के क्रम में उन्होंने बताया कि आज भले ही पूरे विश्व में धूमधाम से पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है परंतु केवल पर्यावरण दिवस मना लेने भर से हमारे कर्तव्यों की इतिश्री नहीं हो जाती अपितु संपूर्ण जनमानस को पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए जागरूक होना पड़ेगो उन्होंने स्वयंसेवकों से अपने गावों में 'एक पेड़ मां के नाम 'अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया' राष्ट्रीय सेवा योजना के सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ मोहम्मद आदिल ने इस अवसर पर स्वयंसेवकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और समाज में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने करने के लिए प्रेरित किया' इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने पर्यावरणीय चेतना से संबंधित कुछ गीत प्रस्तुत कियो इस अवसर पर प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी,प्रोफेसर विमलेश कुमार सिंह यादव,प्रोफेसर पंकज कुमार,प्रोफेसर श्वेता यादव,डॉ० योगेश मिश्रा,डॉ० श्रद्धा तिवारी,डॉ० सी० पी० श्रीवास्तव दीपक कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

बेटी की मौत के बाद पिता का निधन

अझुवा कौशांबी। कड़ा ब्लॉक के धुमाइ गांव में एक परिवार अचानक बीमारियों के घेरे में आ गया जिसमे एक किशोरी और आज सोमवार घर के बुजुर्ग की मौत हो गई। रामकरन रैदास की पत्नी लक्ष्मी देवी ने बताया शुक्रवार शाम को घर में कोटा वाला चावल के साथ दाल रोटी बनी थी शाम को परिवार के सदस्यों ने खाना खाया रात्रि 12 के बाद भीम ,लकी,ससुर शिव दानी को उल्टी दस्त होने लगा शनिवार सुबह अझुवा के निजी अस्पताल में दिखाया गया जहां डाक्टर जवाब दे दिया गंभीर स्थिति होते देख सिराथू सीएच सी में भर्ती कराया जहां आराम न मिलने पर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया,महिला लक्ष्मी देवी ने बताया शनिवार शाम को ही उसकी पुत्री अर्पिता भी उल्टी दस्त से पीड़ित हो गई जिसे पड़ोसियों को मदद से उपचार के लिए अझुवा जा रहे थे रेलवे फाटक के पास अर्पिता ने दम तोड दिया बेटों और पिता के उपचार हेतु जिला अस्पताल में ठहरे पति राम करन को बेटी की मौत की सूचना दी। रामकरन परिजनों के साथ मिलकर बेटी अर्पिता का रविवार दोपहर अंतिम संस्कार कर जिला अस्पताल मंझनपुर पहुंचा जहां पिता शिव दानी की स्थिति गंभीर होने लगी और सोमवार सुबह 5 बजे शिव दानी ने भी दम तोड दिया ।राम करन एंबुलेंस से शव लेकर घर धुमाई पहुंचा कुछ घंटे बाद ही उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी भी उल्टी दस्त का शिकार हो गई जिसे आनन फानन अझुवा के प्राइवेट डॉक्टर से 2बोतल ग्लूकोज चढ़वाकर उपचार कराया ,राम करन के पिता शिव दानी का अंतिम संस्कार नहीं हो पाया उससे पहले राम करन के साले नथन का फोन आया कि जिला अस्पताल से भीम और लकी को रिफर करा कर प्रयागराज उपचार हेतु जा रहे हैं।

2 मौतों के बाद जागा स्वास्थ्य महकमा और ग्राम प्रधान

अझुवा कौशांबी। रामकरन रैदास निवासी धुमाई के परिवार में उल्टी दस्त से 2 मौतों के बाद ग्राम प्रधान ने 2 स्वीपर लगाकर नालियों की सफाई,नालियों में ब्लीचिंग करवाई जिला से स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। उल्टी दस्त से पीड़ित राम करन की पत्नी लक्ष्मी देवी को देखने कड़ा इस्माइल पुर अधीक्षक डा सऊद कड़ा की टीम और मेडिकल कालेज से डा नागेंद्र सिंह की टीम ने मौका मुआयना किया ।टीम ने धूमाई गांव की बस्ती से लोगों का हेल्थ चेकअप किया पानी का सैंपल लिया गया एएनएम पूजा मिश्रा और आशा बहु संगीता देवी ने उस बस्ती की महिलाओं को जागरूक करते हुए उल्टी, बुखार,दस्त ,पेट दर्द और ओआरएस देकर साफ सफाई का विशेष ध्यान देने को कहा है।

बहुद्देशीय पशु चिकित्सा सचल वाहनों को टीकाकरण सहित हरी झण्डी दिखाकर डीएम ने किया रवाना

सोमवार से जनपद के सभी गौवंशी एवं महिषवंशीय पशुओं को खुरपका-मुंहपका का टीका लगाना हुआ शुरू

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर से जनपद के समस्त बहुद्देशीय पशु चिकित्सा सचल वाहनों को टीकाकरण सहित हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 ए0 के0 सागर उपस्थित रहे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 15 जुलाई 2024 से खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान का चतुर्थ चरण जनपद में प्रारम्भ किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में समस्त गौवंशी पशु (176495) एवं महिषवंशीय पशु (364403) का टीकाकरण किया जाना है 04 माह से छोटे एवं 08 माह से ऊपर ग्याभन पशुओं को छोड़कर खुरपका-मुंहपका एक विषाणु जनित संक्रामक रोग है, जिसके संक्रमण में आ जाने के उपरान्त पशु को तेज बुखार आता है, मुंह से लार गिरती है, मुंह एवं पैरों में छाले पड़ जाते है, पशु चारा खाना छोड़ देता है, दुग्ध उत्पादन घटते-घटते शून्य हो जाता है। ग्यावन पशु बच्चा गिरा देता है और अगर सही समय पर उपयुक्त इलाज नही दिया गया तो पशु की मौत भी हो जाती है। इस रोग से विदेशी नस्ल की गाय ज्यादा प्रभावित होती है। इस रोग से बचाव के लिए टीकाकरण मात्र एक रास्ता है। राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम,जो केन्द्र सरकार द्वारा पोषित है एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित है। समस्त पशु पालकों के द्वार पर उनके पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाता है। इस कार्यक्रम में टीकाकरण से पूर्व कान में छल्ला डलवाना अनिवार्य है। टीकाकरण उपरान्त टीम द्वारा पशुओं में किये गये टीकाकरण को ₹भारत पशुधन एपऱ पोर्टल पर अपलोड किया जाना है, जिसके उपरान्त ही टीकाकरण कर्मी को उसके मानदेय दिये जाने का प्राविधान है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने जनपद के समस्त पशुपालकों से अनुरोध किया है कि पशुपालन विभाग द्वारा चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत,जो 45 दिनों तक चलेगा, इस अभियान के दौरान टीका कर्मियों का सहयोग करते हुये अपने समस्त पशुओं में टीका लगवाये एवं टीकाकरण कार्य से पूर्व ईयर टैग (छल्ला) अवश्य लगवायें। इसके साथ ही अपने गाँव में टीकाकरण की तारीख जानने के लिए अपने ग्राम प्रधान अथवा विकास खण्ड पर स्थित पशु चिकित्साधिकारियों से सम्पर्क करें।

अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद वा स्वर्ण आर्मी के अध्यक्ष ने उठाई जुगुल किशोर तिवारी आईपीएस की निलंबन वापसी की आवाज

कौशाम्बी। हाथरस के धौलपुर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना में स्व. योगेश उपाध्याय की नृशंस हत्या कर दी गई। योगेश उपाध्याय अपने गांव में राशन की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे।इस दर्दनाक घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी न होने से गांव में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। इस संकट की घड़ी में उत्तर प्रदेश के वर्तमान उपमहानिरीक्षक अग्निशमन जुगुल किशोर तिवारी आईपीएस, ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पीड़ित परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। उनके इस संवेदनशील कदम की सराहना करते हुए सवर्ण आर्मी कौशाम्बी के जिला अध्यक्ष, अभिषेक पाण्डेय ने महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश और जिलाधिकारी कौशाम्बी से जुगुल किशोर तिवारी के निलंबन की वापसी की मांग की है।अभिषेक पाण्डेय ने अपने पत्र में लिखा,जुगुल किशोर तिवारी का इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़े होना एक मिसाल है। ऐसे अधिकारियों की हमारे समाज को जरूरत है, जो न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखें, बल्कि संवेदनशीलता और मानवता का भी परिचय दें। उनके कर्तव्य निष्ठा व जनभावनाओं को देखते हुए निलंबन को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाना चाहिए ताकि वे समाज सेवा का कार्य सुचारु रूप से कर सकें।ज्ञापन देने में संजय पांडेय, शिवपूजन मिश्रा,अजय मिश्रा, सोनू त्रिपाठी, अंकित त्रिपाठी, रिंकू शर्मा, अजय पांडेय, सूरज मिश्रा समस्त सवर्ण आर्मी परिवार समस्त परशुराम टीम मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 257 जोडे.विवाह के बन्धन में बधें

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कौशाम्बी। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाह्व के अन्तर्गत सोमवार को नवीन मण्डी, ओसा में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 257 जोडे.विवाह के बन्धन में बधें, जिसमें 03 जोड़े मुस्लिम समुदाय के भी सम्मिलित हैं अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती कल्पना सोनकर धर्मराज मौर्य जिलाध्यक्ष एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए परमपिता परमेश्वर से सफल एवं सुखमय दाम्पत्य जीवन की कॉमना की। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती कल्पना सोनकर ने नव-विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए ईश्वर से सफल एंव सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए कहा कि हम लोग सौभाग्यशाली हैं कि केन्द्र में मोदी जी की एवं प्रदेश में योगी जी की ऐसी सरकार है, जहॉ देश की बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान कर देश का नाम पूरी दुनियॉ में गौरवान्वित करने का कार्य कर रहें हैं, वहीं पर किसान, शोषित, पीड़ित एवं समाज के सभी वर्गों के उत्थान/कल्याण/सम्मान के लिए निरन्तर कार्य भी कर रहें हैं। सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गरीब बेटियों का विवाह करा रहीं है। बेटी के पैदा होने से लेकर शिक्षा, रोजगार एवं विवाह की व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रहीं हैं। उन्होंने नव-विवाहित जोड़ों से कहा कि सभी को एक-एक पौधा उपहार स्वरूप दिया जा रहा है, इसे यादगार के तौर पर अपने घरों या आस-पास अवश्य लगायें और इनकी देखभाल कर अपने दाम्पत्य जीवन को खुशहाल बनायें। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना शासन की महत्वाकॉक्षी योजना है, जिसके द्वारा जो परिवार अपने पुत्रियां के विवाह करने में सक्षम नहीं हैं, उन सभी के पुत्रियों का विवाह, इस योजना के अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित कर किया जा रहा है। उन्होंने सभी लोगों से कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनेक योजनायें संचालित की जा रही है, इन योजनाओं के प्रति जागरूक होकर लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाने के लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत विवाहित जोड़ों को दाम्पत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना के लिए सहायता राशि के रूप में 35000 (पैतीस हजार) रुपए कन्या के खाते में हस्तान्तरित की जाती है तथा विवाहित जोड़ों को विवाह संस्कार के लिए आवश्यक सामग्री (कपडे, बिछिया, पायल, बर्तन, ट्राली बैग, दीवार घड़ी) दिया जाता है। प्रत्येक विवाहित जोड़े पर शादी व्यवस्था के लिए रुपए 06 हजार खर्च करने का प्रावधान है। इस प्रकार कुल 51 हजार रुपए प्रत्येक जोड़े पर व्यय किये जाने का प्राविधान है। उन्होंने सभी नव-विवाहित जोड़ों को उनके दाम्त्य जीवन की शुभकॉमनायें देते हुए कहा कि जो पौधे आपको दिये जा रहें हैं, उन्हें लगाकर एवं उनकी देखभाल कर अपनी शादी को यादगार बनायें।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण तथा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद भरवारी कविता पासी भोलेशंकर कुशवाहा सहित तमाम लोग उपस्थित है।

गांव गांव हुई सकिपा की ग्राम मासिक बैठक

अजय सोनी ने कहा कि बिजली कटौती और नहरों में जलापूर्ति न होने से किसान परेशान

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में दिनांक 15 जुलाई सोमवार को जिले के कई गांवों में ग्राम मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बिजली कटौती और नहरों में जलापूर्ति न होने का मुद्दा छाया रहा। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि बिजली कटौती और नहरों में जलापूर्ति न होने से किसान परेशान हैं जबकि जिला प्रशासन कौशांबी चुप है। सोमवार 15 जुलाई को समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में जिले के तमाम गांवो जैसे उदहिन बुजुर्ग, गंभीरा पूर्व, फत्तेपूर बेला, जवई पड़री, बथुई फदीलाबाद, मालीपुर महराजगंज, देवखरपुर, सरसवा, अंधावा, पूरब शरीरा, सौरई बुजुर्ग, मो पुर पुरैनी, महुआखाडा, समसाबाद आदि गांवो में मासिक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में पार्टी के तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। ग्राम उदहिन बुजुर्ग में हुई मासिक बैठक में पार्टी नेता अजय सोनी ने पार्टी कार्यकताओं से वार्ता करते हुए कहा कि बिजली कटौती और नहरों में जलापूर्ति न होने से किसान परेशान हैं जबकि जिला प्रशासन कौशांबी चुप है। आगे कहा कि इस समय धान की रोपाई का समय चल रहा है और नहरें सूखी हैं साथ ही बिजली की आपूर्ति में लगातार कटौती हो रही है जिससे किसानो को भारी परेशानी हो रही है जबकि सरकार किसानो की हितैषी होने का दावा करती है। इसी के साथ अजय सोनी ने कहा कि जल्द ही नहरों में टेल तक जलापूर्ति और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित न की गई तो समर्थ किसान पार्टी धरना प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर राजेश तिवारी, रतीभान सिंह, भानु प्रताप सिंह, मूलचंद लोधी, मनोज सोनी, वेद प्रकाश यादव, वसीम अहमद आदि मौजूद रहे।

संपादक की कलम से

क्या शंकराचार्य अपनी मर्यादाओं को भूल ग?

आज की पोस्ट पर मुझे एक हजार एक आलोचनाओं का प्रसाद मिलेगा, क्योंकि मै सनातन धर्म के ध्वजवाहक शंकराचार्यों की भूमिका पर ऊँगली उठाने का दुस्साहस कर रहा हूँ। दुनिया में ईसाईयों और बौद्धों के पास एक-एक धर्म गुरु पोप और दलाई लामा हैं लेकिन हम सनातनियों के पास एक के बजाय चार-चार धर्मगुरु हैं। लेकिन इन धर्मगुरुओं ने देश और दुनिया के शीर्ष धनकुबेर मुकेश अम्बानी के बेटे अनंत के विवाह आशीर्वाद समारोह में अपनी हाजरी लगाकर अपनी भूमिका पर खुद ही प्रश्नचिन्ह लगा लिए हैं।

हमारे यहां परम्परा है कि हम सनातनी अपने धर्मगुरुओं से आशीर्वाद लेने उनके मठों में जाते हैं, लेकिन हमारे चार में से तीन शंकराचार्यों ने अपने मठों को ही अम्बानी के यहां ले जाकर एक अभिनव प्रयोग किया है। इस सुकृत्य के लिए इन शंकराचार्यों को अम्बानी परिवार की और से कितनी विदाई दक्षिणा मिली, कोई नहीं जानता। जान भी नहीं सकता, क्योंकि ये जानने के लिए हम या आप सूचना के अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सकते। हमारे एक सुधि मित्र साकेत साहू कहते हैं की विष्णुधर्म सूत्र [63 /26] कहता है कि सन्यासी को विवाह में नहीं जाना चाहिए इससे वह मोह-विछोह से पीड़ित हो सकता है। दक्ष स्मृति [7/34/28] कहती है कि सन्यासी को लोक व्यवहार नहीं करना चाहिए ऐसा करने पर वह धर्मच्युत हो जाता है और लोकवार्ता करने लगता है।मुझे विश्वास है कि हमारे शंकराचार्यों ने ये सब कुछ पढ़ रखा होगा।

मेरे मन में अपने धर्म गुरुओं के प्रति सीमित सम्मान है, क्योंकि मुझे लगता है कि धर्म गुरुओं की भूमिका में कमी की वजह से ही हमारा सनातन धर्म विश्व्यापी नहीं बन पाया जबकि सनातन की कोख से ही जन्म बौद्ध धर्म कहाँ से कहाँ पहुँच गया। ईसाई और इस्लाम धर्म का विस्तार भी विश्वव्यापी है। हमारे धर्म गुरु न पोप की तरह आचरण कर पाते हैं और न धर्म की स्थापना और उसके लोकव्यापीकरण के बारे में ज्यादा मेहनत करते हैं। उनकी बौद्धिकता ही उन्हें खाये जाती है। वे अपने बौद्धिक अहंकार से ठीक उसी तरह ग्रस्त हैं जैसे कि हमारे देश के तमाम नेता सत्ता मद के अहंकार से ग्रस्त हैं। शंकरचर्यों से तो डॉ मोहन भागवत भी अहंकार छोड़ने के लिए नहीं कह सकते। देश के शंकराचार्य अम्बानी के यहां हाजिरी लगाने से पहले अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की मूर्ती की प्राण -प्रतिष्ठा समारोह के समय भी चर्चा में आये थे। हमारे शंकराचार्यों ने प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को शास्त्रोक्त न मानते हुए उस समारोह का अघोषित बहिष्कार किया था।

शंकराचार्यों के प्रति हमारे सनातनियों में पोप जैसी प्रतिष्ठा नहीं है, क्योंकि वे यदाकदा अपनी मयार्दाओं के बाहर जाकर आचरण कर दिखाते हैं। मेरे मन में शंकराचार्यों की बौद्धिकता का आतंक हमेशा रहता है। बहुत कम ऐसे शंकराचार्य हुए हैं जो सहज सम्मानित हुए है। मुझे एक बार काँची कामकोटि के शंकराचार्य की पत्रकार वार्ता से सिर्फ इसलिए बाहर जाना पड़ा था क्योंकि मैंने उनसे एक ऐसा प्रश्न पूछ लिया था जो अनपेक्षित था। उनका आचरण ठीक वैसा ही था जैसा आज के भग्यविधाताओं का होता है। बद्रिकाश्रम पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती इकलौते ऐसे शंकराचार्य थे जो प्रश्नों से भागते नहीं थे, हालाँकि उनके ऊपर भी कांग्रेसी होने का आरोप लगाया जाता रहा। वे उत्तेजित नहीं होते थे।

बहरहाल बात चल रही है कि हमारे शंकराचार्यों को मुकेश अम्बानी के बेटे के विवाह समारोह में आशीर्वाद देने जाना चाहिए था या नहीं ? उनका जाना धर्मसम्मत था या नहीं ? इन प्रश्नों का उत्तर कोई दे या न दे किन्तु एक बात जाहिर हो गयी की शंकराचार्यों के अम्बानी के यहां जाने से लोकधारणा ये बन गयी है कि वे भी राजनेताओं की तरह लक्ष्मी के आगे ठीक वैसा ही नर्तन कर रहे हैं, जैसे कि दुसरे लोग। भगवा ओढ़ने वाले बाबा रामदेव को तो सबने अम्बानी के बेटे के साथ नाचते देखा। रामदेव शंकराचार्य नहीं हैं लेकिन आचार्य तो है। उनका आचरण भी लोक पर असर डालता है। हालाँकि वे अब खुद कुबेर हैं।

अम्बानी के बेटे के विवाह समारोह में देश के प्रधानमंत्री से लेकर विपक्ष के तमाम नेता,अभिनेता, दुनिया के कुबेर जाति के लोग मौजूद थे, लेकिन उनकी उपस्थिति से कोई चौंका नहीं, क्योंकि उन्हें तो अम्बानी के यहां होना ही चाहिए था। लोगों को चौंकाया तो शंकराचार्यों की उपस्थिति ने। ये शंकराचार्य अपने दल-बल और सिंहासन के साथ अम्बानी के दरबार में हाजिर थे। ये शंकराचार्य किसी आम आदमी के यहां विवाह समारोह का निमंत्रण मिलने पर वहां नहीं जा सकते, क्योंकि आम आदमी इन शंकराचार्यों के नाज-नखरे नहीं उठा सकता। ये शंकराचार्य हाथरस के हादसे में मारे गए लोगों के बीच नहीं जा सकते, मणिपुर नहीं जा सकते क्योंकि इन्हें इनका धर्म रोकता है। एक गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद हैं जो शंकराचार्यों के आचरण की रक्षा कर सके। हालाँकि वे भी मणिपुर या हाथरस नहीं गए। वे शायद जानते हैं कि ये काम नेताओं का है। शंकराचार्यों का नहीं। मेरी स्पष्ट अवधारणा है कि लक्ष्मी पुत्रों के आगे हाजरी बजाने वाले हमारे शंकराचार्य सनातन धर्म का न प्रचार कर सकते हैं और न धर्म ध्वजाएं लेकर चलने के अधिकारी है। उनका आचरण पाखंड की परिधि में आता दिखाई दे रहा है। वे राजसी आचरण कर रहे है। एक शंकराचार्य ने तो अपने सन्मुख झुके प्रधानमंत्री के गले में अपने गले में पड़ी रुद्राक्ष की माला ऐसे डाली जैसे कोई राजा अपने किसी प्रिय व्यक्ति को इनाम दे रहा हो। मोदी जी रामलला के विग्रह की स्थापना समारोह में इन्हीं शंकराचार्य के विरोध के सामने झुके नहीं थे। मोदी जी ने तब मुमकिन है कि इनकी अहमन्यता को आहत किया था और अम्बानी के घर इनके सामने झुककर उनके घावों पर मरहम लगा दिया।

चिकित्सा पेशे के सामने मुश्किलें

डॉ संजना ब्रह्मवार मोहन

स्वास्थ्य सेवा के ह्यव्यवसायीकरणह्ल को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं. उदाहरण के लिए, किडनी प्रत्यारोपण के बारे में आये दिन खबरें आती रहती हैं. ऐसी स्थिति को संज्ञान में लेते हुए इस वर्ष चिकित्सक दिवस (एक जुलाई) को लागू हुए भारतीय न्याय संहिता में यह प्रावधान किया गया है कि लापरवाही बरतने वाले डॉक्टरों को जेल भेजा जा सकता है. नीट परीक्षा में कई गड़बड़ियों और पीजी प्रवेश परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने से देश का ध्यान चिकित्सा शिक्षा की ओर गया है. परीक्षा प्रक्रियाओं को दुरुस्त करने के साथ-साथ यह देखना भी जरूरी है कि और क्या-क्या किया जाना चाहिए, जिससे हमारे डॉक्टर बहुत अच्छा काम कर सकें. राजस्थान के ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र में बुनियादी स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने के अपने एक दशक के काम के दौरान हमने बड़ी संख्या में युवा डॉक्टरों के साथ काम किया है तथा प्राथमिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के बहुत चिकित्सकों से भी हमारा संपर्क रहा है. डॉक्टरों को ग्रामीण भारत की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए हमने कार्यशालाएं भी आयोजित की है. इन अनुभवों के आधार पर कुछ प्राथमिकताओं को इस लेख में रेखांकित किया जा रहा है। यह एक धारणा है कि पहले के डॉक्टर आज के चिकित्सकों की अपेक्षा कहीं अधिक जानते थे. कई लोगों को याद होगा कि किसी दौर में डॉक्टर एक ब्रीफकेस लेकर मरीज के घर आते थे और उसे देखकर वहीं दवाई दे देते थे या लिख देते थे. वे डॉक्टर अब कहीं नहीं दिखते. पहले मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ती थी और शिक्षक भी पूरी तरह समर्पित होते थे. अब यह कमजोर होता जा रहा है. कार्यशालाओं में कई डॉक्टरों ने बताया कि कॉलेज में उनकी मौजूदगी का मतलब नहीं है और वे घर पर ही अधिकांश पढ़ाई करते हैं. उन्होंने अफसोस के साथ कहा कि उनके शिक्षकों के पास उनके लिए समय नहीं है. एक वरिष्ठ डॉक्टर ने एक मेडिकल छात्र को डांटा था कि उसका काम रोगी का उपचार है, उसके प्रति हमदर्दी रखना नहीं। निजी मेडिकल कॉलेजों से आनेवाली कहानियां भी हमने सुनी हैं. वहां के छात्र धनी परिवारों से आते हैं और कक्षाओं में उनकी रुचि बहुत कम होती है. पढ़ाई के बाद उनमें से अधिकतर अपना अस्पताल खोल लेते हैं. प्रबंधन भी शिक्षकों पर छात्रों को पास कर देने के लिए दबाव बनाता है. डॉक्टरों का एक तीसरा समूह भी तेजी से बढ़ रहा है, जो चीन, रूस और अन्य पूर्वी यूरोपीय देशों से पढ़कर आते हैं. भारतीय कॉलेजों में पढ़ाई की खराब गुणवत्ता के बावजूद यहां पढ़े डॉक्टरों और विदेश से पढ़कर आये डॉक्टरों में बड़ा अंतर है. रोगियों से बात करने में सूचनाओं का स्पष्ट प्रवाह नहीं होता तथा कई डॉक्टर दवाओं के बारे में बुनियादी जानकारी भी नहीं रखते. यह स्थिति ठीक नहीं है. हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि डॉक्टरों के पास जानकारी और कौशल हो तथा उनमें हमदर्दी की भावना हो।

ट्रम्प पर हमला : हिंसामुक्त हो राजनीति

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति एवं आगामी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के सम्भावित प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प पर हमला बहुत चिंताजनक है। निन्दनीय तो है ही। भारतीय समयानुसार सुबह 4 बजे उन पर तब गोलियां चलाई गईं जब वे पेन्सिलवानिया राज्य के बटलर शहर में अपने समर्थकों को सम्बोधित कर रहे थे। वह अमेरिका की शनिवार की शाम थी। एक युवा ने उन पर ताबड़तोड़ तकरीबन 8 गोलियां चलाईं जिनमें से एक उनके दांये कान को छूती हुई निकल गयी जिसके कारण उनका चेहरा लहूलुहान हो गया। हालांकि ट्रम्प ने बेहद फुर्ती व समझदारी से स्वयं को पोडियम के नीचे बैठकर सुरक्षित कर लिया। सुरक्षाकर्मियों ने भी त्वरित एक्शन लेते हुए उन्हें पहले सुरक्षा दी फिर उन्हें कार में बिठाकर अस्पताल पहुंचा दिया। दूसरी तरफ उनके एक स्नाइपर ने हमलावर को ढेर कर दिया। इस 20 वर्षीय हमलावर की एआर-15 राइफल मिली है। जांच से पता चलेगा कि उसका मकसद क्या था और इस षड़यंत्र में कौन लोग या संगठन शामिल थे

। रैली में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गयी और दो घायल हुए हैं। हमलावर की अमेरिकी राजनीति में दिलचस्पी भी उजागर हुई है।

लम्बे समय बाद अमेरिका सर्वोच्च पद पर आसीन या रह चुके किसी व्यक्ति के साथ ऐसी हिंसा देख रहा है। अब्राहम लिंकन की 1865 में एवं जॉन एफ. कैनेडी की 1968 में हत्या हुई थी। 1972 में राष्ट्रपति उम्मीदवार जॉर्ज सी. वैलेस पर एक शॉपिंग सेंटर में गोलियां चलाई गयी थीं। इसके बाद वे जीवन भर व्हील चेयर पर ही रहे। ट्रम्प वर्तमान में तो दुनिया के सबसे ताकतवर पद को नहीं सम्हाल रहे हैं परन्तु एक बार वे राष्ट्रपति रह चुके हैं। बहुत मुमकिन है कि वे इस बार फिर से अपनी पार्टी के प्रत्याशी हो सकते हैं जिसका उन्होंने दावा पेश कर ही दिया है और उन्हें उनकी पार्टी में बड़ा समर्थन भी है। पद पर न रहते हुए भी वे देश और दुनिया की राजनीति के एक तरह से केन्द्र में हैं। उनकी हत्या की साजिश का कारण अमेरिका का कोई भीतरी मसला या फिर अंतरराष्ट्रीय मुद्दा हो सकता है।

जो भी हो, यह घटना एक बार फिर से इस बात को प्रतिपादित करती है कि हिंसा किसी भी मकसद के लिये नहीं अपनाई जानी चाहिये और वह किसी भी समस्या का हल नहीं है। बेशक ट्रम्प का कार्यकाल कई विवादों से घिरा रहा और उन पर अनेक तरह के आरोप लगे हैं।

निजी जीवन से लेकर उनकी व्यवसायिक गतिविधियों तथा यहां तक कि राजनीतिक जीवन में भी वे कई विवादों से घिरे हैं। पिछले चुनावों में जब वे जो बाइडेन से राष्ट्रपति का चुनाव हार गये थे तब भी उन्होंने बहुत आसानी से सत्ता का हस्तातंरण नहीं किया था। यहां तक कि कैपिटल हिल पर (जहां अमेरिकी प्रशासन का मुख्यालय है) उनके समर्थकों ने एक तरह से धावा ही बोल दिया था और वहां की पुलिस तथा सुरक्षा कर्मियों को शांति स्थापित कर सत्ता हस्तांतरण कराने में खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। वे अमेरिकी इतिहास के ऐसे पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक मामलों में सजा सुनाई गई है। उन पर व्यापारिक दस्तावेजों में हेरफेर का दोषी माना गया है

इस अवसर पर यह सोचे जाने की आवश्यकता है कि दुनिया का सबसे ताकतवर रह चुका इंसान और जो फिर से राष्ट्रपति हो सकता है वह भी सुरक्षित नहीं है तो जनसामान्य की बात ही क्या की जाये। इस घटना को केवल अमेरिका के सन्दर्भ में नहीं वरन वैश्विक शांति व अहिंसा के नजरिये से देखे जाने की जरूरत है। भारत में महात्मा गांधी, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला एवं स्वयं अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग, सीनियर व जूनियर दोनों ने इसी अहिंसा की वकालत की थी। हिंसा का मूल नफरत में है। ट्रम्प उन राष्ट्राध्यक्षों में माने गये हैं जिनकी राजनीति का आधार यही घृणा एवं हिंसा की वकालत है। पिछले चुनाव की प्रचार रैलियों में वे अपने प्रतिद्वंद्वी बाइडेन का अक्सर भद्दा मजाक उड़ाते भी नजर आते थे। यह भी नफरत का ही एक प्रकार कहा जा सकता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जिस थॉमस मैथ्यू क्रूक्स नामक युवक ने ट्रम्प पर गोलियां चलाईं और जिसे सीक्रेट सर्विस एजेंट ने तत्काल मार गिराया वह स्वयं रिपब्लिकन पार्टी का समर्थक था। हालांकि उसके बारे में यह भी पता चला है कि उसने एक बार विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी को 15 अमेरिकी डॉलर का चंदा भी दिया था।

दिलचस्प तथ्य यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की गन लॉबी के बड़े समर्थक हैं। उन्होंने यह भी वादा कर रखा है कि अगर वे फिर से राष्ट्रपति बनते हैं तो वे लोगों द्वारा हथियार रखने पर बाइडेन के लगाये प्रतिबन्धात्मक नियमों को शिथिल कर देंगे। यानी कि लोग अधिक आसानी से निजी बन्दूकें व पिस्तौलें रख सकेंगे। यह तथ्य भी अपनी जगह पर बना हुआ है कि दुनिया में नागरिकों के नाम पर सर्वाधिक अनुमति प्रदान करने वाला देश अमेरिका ही है। इसके कारण कई बार सार्वजनिक स्थानों पर अंधाधुंध फायरिंग की खबरें आती रहती हैं। यहां तक कि स्कूलों में छोटे बच्चे तक अपने सहपाठियों पर गोलियां बरसा देते हैं। आपस में सामान्य सी कहा-सुनी में भी लोगों द्वारा जान ली या दी जाती है। इसका कारण भी यही है कि हर दूसरे, तीसरे व्यक्ति के हाथों में कोई तमंचा या बन्दूक है और उनकी उंगलियां ट्रिगर दबाने को बेताब रहती हैं। कोई भी समाज तब तक अहिंसक नहीं हो सकता जब तक कि सरकारें अहिंसा में भरोसा न करने लगें और ऐसा समाज बनाने का प्रयास न करें।

कश्मीर : उपराज्यपाल को शक्ति मतलब चुनी हुई सरकार कमजोर

- शकील अख्तर

अब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फिर नियंत्रण के बाहर हो रहा है। दरअसल आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद, हिंसा ऐसी चीजें हैं जो बातों से खत्म नहीं होतीं। काम करना पड़ता है। बाकी देश में तो यह कह देते हैं कि इतने करोड़ रोजगार सृजित हुए हैं, महंगाई कहां है? अंबानी की शादी देखो! कहीं लगता है कि महंगाई है? यहां तो कुछ भी कह दो। मणिपुर में बता दो कि स्थिति सुधर रही है। चुनी हुई सरकार! जम्मू कश्मीर की जनता द्वारा चुनी हुई सरकार! इस वाक्य का प्रयोग केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, संयुक्त राष्ट्र में जाने वाले भारत के प्रतिनिधि और हम पत्रकार लोग सब कश्मीर पर बात करने, लिखने में सबसे ज्यादा करते रहे हैं। पाकिस्तान, चीन, अमेरिका, युरोप सब इस चुनी हुई सरकार से डरते थे। चुनी हुई सरकार मतलब जीवित लोकतंत्र। जम्मू-कश्मीर की जनता की इच्छा का प्रतीक। यह चुनी हुई सरकार की शक्ति ही थी कि 75 साल से पाकिस्तान के सीधे हस्तक्षेप और चीन, अमेरिका, यूरोप के कई देशों की नजर के बाद भी कश्मीर हमारा उतना ही अविभाज्य अंग रहा जैसे देश के दूसरे हिस्से। मगर अब पिछले 6 साल से वहां चुनी हुई सरकार नहीं है। पहले की तरह राज्य भी नहीं है। केन्द्र शासित प्रदेश है और अब वहां उपराज्यपाल को और अधिक शक्तियां देकर चुनी हुई सरकार, जो जाने कब होगी को और ज्यादा कमजोर कर दिया गया है। इसका असर अन्तरराष्ट्रीय पर पड़ता है। भारत का कश्मीर पर हमेशा एक मजबूत स्टेंड रहा है। जब भी पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में जनमत संग्रह की बात करता है। हम कहते हैं यह विधानसभा चुनाव जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व ही करते हैं। और इन विधानसभा चुनावों ने जम्मू-कश्मीर में हर दल को सरकार में रखा है। आखिरी बार दस साल पहले 2014 में जो विधानसभा चुनाव हुए थे उसमें बीजेपी ने पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। आज बीजेपी चुनी हुई सरकार की शक्तियां कम करने का बचाव यह कहकर कर रही है कि वहां चुनी हुई सरकारें दो ही परिवारों की थीं। मगर यह बताना भूल गई कि उन दोनों परिवारों के साथ वह मिलजुली सरकार चला चुकी है। गठबंधन कर चुकी है। फारुक अब्दुल्ला की एनसी के साथ वाजपेयी ने केन्द्र में सरकार चलाई थी। उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे। और फिर जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। जम्मू-कश्मीर राजनीति की जगह नहीं है। भाजपा जब विपक्ष में थी तो कश्मीर पर खूब राजनीति करती थी। मगर 1999 में केन्द्र में सरकार बनाने के बाद उसकी समझ में आ गया कि कश्मीर राजनीति का विषय नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद कहा कि कश्मीर में जो नार्मलसी (सामान्य स्थिति) लौटी है वह वहां की अवाम की वजह से है। उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जीती है। और यह सच भी है कोई सेना, सुरक्षा बल बिना जनता के सहयोग के आतंकवाद पर काबू नहीं पा सकती। सेना ने वहां स्थानीय जनता के साथ मिलकर कई सफल आतंकवादी विरोधी अभियान चलाए। प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के समय समर्पित आतंकवादी कूका परे के साथ सेना ने उत्तरी कश्मीर में कई सफल आपरेशन किए। पाकिस्तान उत्तरी सीमा कूपवाड़ा से ही आतंकवादियों की घुसपैठ करवाता था। वहां के स्थानीय लोगों ने गुजर बकरवाल के साथ मिलकर सेना ने घुसपैठ पर नियंत्रण किया। उस समय के आंतरिक सुरक्षा राज्य मंत्री राजेश पायलट पहले नेता थे जो उस दुर्गम उत्तरी सीमा के दौरे पर गए थे। हम भी उनके साथ थे।

बारह महीने बर्फ से ढंकी पहाड़ियों पर चापर (हैलिकाप्टर) का लेंड होना भी बहुत मुश्किल होता था। वहीं से बर्फ कम होने गर्मियों में पाकिस्तान आतंकवादी भेजता था। उनके आने के दर्रे रास्ते पूर्व आतंकवादियों को और वहां के स्थानीय निवासी गुजर बकरवाल को मालूम होते थे। वे सेना की मदद करते थे। वे बहादुर लोग सिर्फ खबर ही नहीं देते थे। सेना के साथ रास्ता बताते हुए भी चलते थे। इसलिए 1996 में नरसिनम्हा राव सरकार वहां 9 साल बाद विधानसभा चुनाव करवा पाई। आतंकवाद का वह पीक समय था। सबसे मुश्किल दौर। इन पंक्तियों का लेखक इस पूरे दौर में वहीं रहा। श्रीनगर सहित पूरे कश्मीर में चौबीस घंटे का कर्फ्यू लगता था। चुनाव करवाना बड़ी चुनौती थी। पाकिस्तान का प्रचार था कि लोग चुनाव नहीं चाहते। मगर कांग्रेस की केन्द्र सरकार ने हिम्मत दिखाई। और 1996 में विधानसभा चुनाव करवा के वहां चुनी हुई सरकार बनवा दी। यह पाकिस्तान को कड़ा जवाब था। भाजपा कहती है वहां लोकतंत्र नहीं था! आतंकवाद के दौर में दूसरा विधानसभा चुनाव 2002 में वाजपेयी ने करवाया। और अगर लोकतंत्र न होता तो वहां सरकार बदलती नहीं। फारुक अब्दुला की सरकार हार गई और मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री बने।

2024-25 के बजट में आम संघर्षरत लोगों के लिए कोई राहत की उम्मीद नहीं

- अनिल राजिमवाले

बुनियादी ढांचे और शहरीकरण तथा अन्य पर पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बढ़ाने की समस्याएं, व्यापार बाधाओं को दूर करना, जीएसटी के दुरुपयोग से उत्पन्न समस्याएं आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनका सामना सरकार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के तहत बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बड़े उद्योग चाहते हैं कि सरकार 'शहरीकरण' में तेजी लाने के लिए कदम उठाये।

नरेंद्र मोदी सरकार 22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलने वाले बजट सत्र में 23 जुलाई को अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेगी। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है कि वह 'सुधारों' का दावा करते हुए अपनी नीति को जारी रखेगी।

पिछले दशक में बजट और आर्थिक नीतियों की द्वंद्वात्मकता ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर वित्तीय कॉरपोरेट्स के पहले से ही बड़े पैमाने पर कब्जे को और मजबूत करने का काम किया है। हालांकि यह हमारी जीवंत अर्थव्यवस्था के लिए विनाश का संकेत है, लेकिन इस बार यह इतना आसान नहीं हो सकता है, क्योंकि भाजपा अल्पमत में है और बिहार और आंध्र प्रदेश के उसके सहयोगी रियायतें पाने के लिए उसके गले पर सवार हैं। वित्त मंत्री को कुछ हद तक मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

पिछले महीने संसद के दोनों सदनों को संयुक्त संबोधन में हमारे राष्ट्रपति ने दावा किया था कि बजट 'कई ऐतिहासिक कदमों से चिह्नित' होगा। 4 जून को चुनाव परिणामों के बाद से, आधिकारिक आर्थिक और राजनीतिक हलकों में केवल एक ही बात चल रही है: इक्विटी और शेयर बाजार 'तेजी' के साथ पागल हो रहे हैं। बड़े व्यवसाय बड़े पैमाने पर सट्टा अवसरों के उन्माद में जकड़े हुए हैं। एनडीए गठबंधन के चुनावों में नेतृत्व करने के बाद निफ्टी और बीएसई आसमान छू गये। कागजात शेयर बाजारों और व्यावसायिक दिग्गजों के मुनाफे के आंकड़ों से भरे पड़े हैं, जिसमें उत्पादन और

विनिर्माण को लगभग पूरी तरह से बाहर रखा गया है, जो इस तथ्य को दशार्ता है कि लोगों और उत्पादक अर्थव्यवस्था के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा है।

बुनियादी ढांचे और शहरीकरण तथा अन्य पर पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बढ़ाने की समस्याएं, व्यापार बाधाओं को दूर करना, जीएसटी के दुरुपयोग से उत्पन्न समस्याएं आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनका सामना सरकार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के तहत बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बड़े उद्योग चाहते हैं कि सरकार 'शहरीकरण' में तेजी लाने के लिए कदम उठाये। यह एमएसएमई और अन्य विनिर्माण को छोड़कर शहरी भूमि और संपदा सट्टेबाजी में बड़े पैमाने पर उत्पादक पूंजी के जाने को दशार्ता है।

उद्योग का एक अन्य वर्ग, विशेष रूप से एमएसएमई, औद्योगिक उत्पादन और बिक्री को प्रभावित करने वाली जीएसटी की उच्च और जटिल दरों के बारे में शिकायत कर रहा है। अर्थव्यवस्था के विपरीत ध्रुव पर एक स्वाभाविक परिणाम निवेश में तेज और बड़ी गिरावट है। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विश्लेषित सीएमईआई आंकड़ों से पता चलता है कि जून में समाप्त होने वाली तिमाही में विनिर्माण निवेश 20 साल के निचले स्तर पर गिरकर केवल 44300 करोड़ रुपये रह गया। इससे पहले सबसे कम स्तर जून 2005 में था। यह चौतरफा आर्थिक 'विकास' के बड़े-बड़े दावों के बावजूद था।

फिर भी, भारत की बड़ी कंपनियों ने इस साल की पहले छह महीनों में इक्विटी बाजार में रिकॉर्ड2.5 लाख करोड़ रुपये (30अरब डॉलर) जुटाये हैं, जो जनवरी-जून की अवधि के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह पिछले साल की इसी अवधि की राशि से दोगुना है।

अडानी और अंबानी भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण और सट्टा प्रकृति के प्रतीक बन गये हैं। अरबपति गौतम अडानी समूह देश के सबसे बड़े मुंद्रा बंदरगाह पर जहाज बनाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें सरकार उनकी सेवा में है। भारत शीर्ष दस जहाज निर्माण कंपनियों वाले देशों में से एक बनना चाहता है, और सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कीमत पर अडानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं दिखता। वर्तमान में भारत दुनिया में 20वें स्थान पर है।

यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि अडानी की जहाज निर्माण योजनाओं को पहले रिपोर्ट नहीं किया गया था, जिसे मुंद्रा बंदरगाह के लिए 45000 करोड़ रुपये के विस्तार योजना में छिपा दिया गया था। पर्यावरण को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया जायेगा, लेकिन पर्यावरण और तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी पहले ही प्रबंधित की जा चुकी है। अडानी ने इस तथ्य का लाभ उठाया है कि चीन, दक्षिण कोरिया और जापान में यार्ड 2028 तक बुक हैं, जिससे वैश्विक खिलाड़ी भारत की ओर देखने को मजबूर हैं। लेकिन भारत सरकार ने इस स्थिति का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र के बंदरगाहों और यार्डों को दरकिनार करने के लिए किया है।

महाराष्ट्र तट पर वधावन में एक और योजनाबद्ध बहुत बड़ा बंदरगाह बनाया जायेगा, जिसे दुनिया भर के दस सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक माना जाता है। पीपीपी के तहत अनुमानित 76000 करोड़ रुपये की परियोजना में से 37244 करोड़ रुपये निजी क्षेत्र द्वारा दिये जायेंगे। यह दुर्लभ मैंग्रोव, आर्द्रभूमि आदि को बड़े पैमाने पर नष्ट कर देगा। भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह 'समुद्री भूमि' है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025 के लिए विनिवेश और 'संपत्ति मुद्रीकरण' से एक लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के विनाश और इसे बड़े व्यवसाय को सौंपने की योजना को छिपाने के लिए एक सम्मानजनक शब्द है। फरवरी 2024 में अंतरिम बजट ने इन दोनों को मासूम दिखने वाले 'विविध पूंजी प्राप्तियों' के तहत जोड़ दिया था! इसलिए वे सिर्फ पूंजी 'प्राप्तियां' हैं, न कि कड़ी मेहनत से अर्जित सार्वजनिक संपत्ति की बिक्री! 'मुद्रीकरण' सार्वजनिक क्षेत्र के विनाश को छिपाने का एक तरीका है।

बेरोजगारी की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो विशाल व्यापारिक घरानों, विशेष रूप से अंबानी और अडानी को रियायतें देने का परिणाम है। यह मोदी सरकार द्वारा दशकों से अपनाई गई नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है, जो एमएसएमई के बड़े पैमाने पर विनाश के कारण और भी बढ़ गई है। नोटबंदी, जीएसटी और बढ़ते आयात ने इस क्षेत्र के लिए तबाही मचा दी।

अमेरिकी निवेश बैंक सिटीग्रुप की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत को अपने युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए अगले दस वर्षों तक हर साल 120 लाख नौकरियां पैदा करने की आवश्यकता होगी। यहां तक कि 7प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि भी इतनी रोजगार पैदा नहीं करेगी।

हरियाणा (मानेसर) में अमेज? के गोदाम, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख कंपनी फॉक्सकॉन की चेन्नई फैक्ट्री में श्रम कानून का उल्लंघन हो रहा है, जहां महिला श्रमिकों के साथ भेदभाव किया गया। छंटनी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय आईबीसी(दिवाला एवं दिवालियापन संहिता) तथा कंपनी कानून में व्यापक संशोधन करने पर विचार कर रहा है। लेनदारों के नेतृत्व वाला दृष्टिकोण आगे भी जारी रहेगा, जिसमें दिवाला समाधान बड़ी फर्मों के पक्ष में अपनाया जायेगा, जिससे उन्हें घाटे की भरपाई करने में मदद मिलेगी।

जिलाधिकारी ने ली ई ऑफिस प्रणाली क्रियान्वयन सम्बन्धी बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में सोमवार को ई ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए कम्प्यूटर एवं सहवर्ती उपकरणों के सम्बन्ध में डिस्ट्रिक्ट ई-गवर्नेंस सोसायटी की बैठक कलेक्टरेट सभागार में हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासकीय कार्य पद्धति को पेपर लेस ऑफिस में परिवर्तित करके शासकीय कार्य चालन क्षमता में सुधार करने के लिए यह कार्य किया जा रहा है, जो एन आई सी द्वारा विकसित ई ऑफिस प्रणाली में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद एवं मंडल के अधीनस्थ कार्यालय में भी अनिवार्य रूप से ई ऑफिस प्रणाली लागू की जाएगी। इन कार्यालय में ऑफिस प्रणाली की कार्यान्वयन के लिए

ई ऑफिस प्रणाली की समीक्षा बैठक करते जिजाधिकारी।

आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था सम्बन्धित विभाग द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि कलेक्टरेट में कम्प्यूटर, स्कैनर की आवश्यकता को देखते हुए टेंडर जल्द से जल्द कराए। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत राज अधिकारी, डीसी एनआरएलएम व अन्य सभी अपने ऑफिस में कम्प्यूटर स्कैनर कितने आवश्यकता है, उसकी सूची बनाएं। उन्होंने तहसील में आवश्यक कम्प्यूटर व स्कैनर के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वरिष्ठ कोषाधिकारी को निर्देशित किया कि कार्य योजना बनाएं एवं कहा कि शासन की गाइड लाइन के अनुसार कार्य कराए।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह, डीसीएनआरएलएम ओम प्रकाश मिश्रा, उप जिलाधिकारी आलोक सिंह, जीएमडीआईसी एस वेंकेशरवानी आदि मौजूद रहे।

पति के बरात जाने से क्षुब्ध गर्भवती ने दी जान

चित्रकूट। रिश्ते के भाई की बरात में पति के जाने से क्षुब्ध गर्भवती ने फंदा लगाकर जान दे दी। पड़ोसियों की मदद से छत के रास्ते कमरे में जाकर शव बाहर निकाला। मऊ थाना क्षेत्र के भिटरिया गांव मुन्ना निषाद ने बताया कि बहू शिवानी देवी ;20द्ध ने शनिवार की शाम को पति नंदू निषाद के दादा के लड़के की बारात में चले जाने से क्षुब्ध होकर कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ससुर ने बताया कि पुत्र नंदू ने बराछी गांव की शिवानी के साथ लगभग दस माह पूर्व मंदिर में प्रेम विवाह किया था। शनिवार को दादा के लड़के की बरात गनींवा के लेहसुवा गांव जा रही थी। नंदू भी बरात के लिए तैयार हुआ तो पत्नी ने जाने से मना कर दियाए लेकिन पुत्र नहीं माना और बरात चला गया। जिससे क्षुब्ध बहू ने घर के अंदर कमरे में फांसी लगा लिया। लौटकर आने पर कमरा बंद देखा। इस पर खपरैल तोड़कर अंदर घुसकर देखा तो से शव फंदे से लटकता मिलने पर होश उड़ गए। परिजनों ने बताया कि शिवानी गर्भवती थी और आठ माह से ज्यादा समय का बच्चा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा किया।

डिजिटर हाजिरी अनिवार्य करने का आदेश वापस करे सरकार : अखिलेश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूटः डिजिटल हाजिरी अनिवार्य किए जाने के विरोध में सोमवार को शिक्षक संगठनों ने जिला मुख्यालय में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान ज्ञापन सौंपकर डिजिटल उपस्थिति के आदेश को समाप्त करने की मांग की गयी। साथ ही शिक्षकों की लम्बित समस्याओं का निराकरण करने की मांग की गयी।

जिला मुख्यालय में हुए विरोध प्रदर्शन में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि स्कूल शिक्षा महानिदेशक द्वारा बीती 18 जून एवं 5 जुलाई को शिक्षकों की डिजिटल उपस्थिति अनिवार्य किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिससे शिक्षकों में असंतोष व्याप्त हो गया है। जिले के समस्त ब्लाकों के शिक्षकों ने बीती 11 व 12 जुलाई को सम्बन्धित ब्लाक संसाधन केन्द्रों में उपस्थित होकर डिजिटल

अपनी मांगो को लेकर प्रदर्शन करते शिक्षकगण।

उपस्थिति के सम्बन्ध में विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की लम्बित समस्याओं की निराकरण के लिए शासन को कई बार पत्र प्रेषित किया जा चुका है। जिसमें परिषदीय शिक्षकों की पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, राज्य कर्मचारियों की भांति 31 उपार्जित अवकाश, 12 द्वितीय शनिवार अवकाश, अर्ध आकस्मिक अवकाश प्रतिकर एवं अध्ययन अवकाश, निशुल्क चिकित्सा सुविधा अनुमन्य करने, शिक्षकों की पदोन्नति शीघ्र करने की मांगे शामिल हैं। इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इन समस्याओं का निराकरण हुए बिना सभी शिक्षक उपस्थिति पंजीका के डिजिटाइजेशन किए जाने पर असहमति व्यक्त करते हैं और इसके आदेश को निरस्त करने की मांग करते हैं। ऐसा न होने पर आगामी 23 जुलाई को जिले के समस्त शिक्षक धरना देंगे।

शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के आवाहन पर जनपद इकाई द्वारा प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को सम्बोधित 7 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।सौंपे ज्ञापन में शिक्षकों ने मांग किया कि ऑनलाइन उपस्थिति सेवा शर्तों के विपरीत है जिसे निरस्त किया जाये, अन्य कर्मचारियों की भांति शिक्षकों को भी 30 अर्जित अवकाश, हाफ डे अवकाश, 13 दिवसीय विवाह संस्कार प्रदान किया जाये, पुरानी पेंशन बहाल की जाये सहित सभी विद्यालयों में प्रधानाध्यापक का पद बहाल करते हुये पदोन्नति की जाये,बेतन विसंगति 17140- 18150 दूर की जाये शिक्षा मित्र अनुदेशकों को समान कार्य, समान वेतन दिया जाय, कैस लेस चिकित्सा, गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति आदि मांगें शामिल हैं।

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अवध बिहारी सिंह ने कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति में जमीनी स्तर पर क्या-क्या समस्यायें हो सकती है। अन्तर्जनपदीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि शिक्षकों को घर से 60 से 70 किमी दूर विद्यालयों में जाना पड़ता है। जहां कोई आवास सुविधा भी नहीं है। निर्वाचन आयोग, आपदा, राशन वितरण आदि तमाम तरह के कार्य शिक्षकों से लिये जाते हैं। जिस पर रोक लगाई जाये। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि हमारी 7 सूत्रीय मांगें पूरी की जाये उसके बाद ही ऑनलाइन हाजिरी की बात की जाये। इस व्यवस्था से पूरे प्रदेश का शिक्षक आक्रोशित है। कार्यक्रम में यूटा के जिलाध्यक्ष संग्राम सिंह, अटेवा के जिलाध्यक्ष राजेश यादव, विशिष्ट बीटीसी के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह, टीएससीटी के अमर बहादुर, अन्तर्जनपदीय शिक्षक संघ के मनोज सोनी, शिक्षामित्र संघ के इन्द्रसेन यादव, अनुदेशक संघ के जिलाध्यक्ष श्यामसुन्दर यादव, परिषदीय अनुदेशक संघ के अरविन्द कुमार, परिचारक संघ के नीरज श्रीवास्तव, यूटा के कासिफ इकबाल, शैलेन्द्र सिंह, मिथलेश यादव, प्राथमिक शिक्षक संघ के लवलेश कुशवाहा, मनोज सिंह, एससीएसटी बेलफेयर एसो0 के गया प्रसाद बौद्ध, संगीता सिंह चंदेल, राधेश्याम पटेल तूफानी, अनिल सिंह पटेल, मतगंजन प्रसाद, द्रोपदी अग्रवाल आदि ने भी सम्बोधित कर ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व संचालक टीचर सोसाइटी आनन्द यादव ने किया। इस मौके पर लवलेश सिंह पटेल, हेमराज गर्ग, विनय कुमार पाण्डेय, जितेन्द्र सिंह, डायरेक्टर टीचर सोसायटी पहाडी मिशलेश यादव, अंजना श्रीवास्तव, अनुरंजना सिंह, सुदीप कुमार पाण्डेय, नीलाभ गुप्ता, अंजलि सिंह, प्रेमचन्द्र शिवहरे, अजलि उपाध्याय, बद्री नारायण दीक्षित, रचना यादव, मीनाक्षी शर्मा, मंगला गुप्ता, सुनीता देवी, शोभा देवी, वृजेश कुशवाहा , नरेन्द्र पयासी, श्रीनारायण पाण्डेय, रमेश चन्द्र सिंह, ब्रम्हादीन मिश्रा, रोशन लाल, सौरभ श्रीवास्तव, अतीक अहमद, राजेश सिंह पटेल, पीएसपीएस जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह , प्रमोद कुमार सिंह, कमलेश गुप्ता, बजरंग बहादुर सिंह, सह संयोजक टीएससीटी कमलेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पुलिस हिरासत से भागे युवक का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर थाने ले जाने के बाद युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने से हंगामा मच गया। मृतक के परिजनों ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने मानिकपुर थाना प्रभारी समेत चार को इस मामले में निलम्बित कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मानिकपुर का आर्य नगर निवासी अंशु सिंह (28) पुत्र नत्थू बीते रविवार की शाम घर से निकला था। इस दौरान मोहर्रम के जुलूस में नोंक झोंक होने पर पुलिस उसे थाने ले आई। यहां से कुछ देर बाद अंशु गायब हो गया। इसके बाद सोमवार को सबेरे अंशु का शव पनहाई के रेलवे ट्रैक में निर्वस्त्र अवस्था में मिलने से इलाके में हडकम्प मच गया। शव बरामद

घटना स्थल पर लगी लोगो की भीड़ व पुलिस बल।

होने के बाद शिनाख्त न होने के चलते पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया, किन्तु शिनाख्त होने के साथ ही परिजन और विभिन्न राजनीति दलों के नेता एकत्रित होने लगे। नाराज परिजनों ने मानिकपुर के रेलवे पुल चैराहे में धरना दे दिया। इसकी जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी, मानिकपुर एसडीएम पंकज कुमार वर्मा मौके पर पहुंच गए। डीएम और एसपी द्वारा पीड़ित परिवार द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र की निष्पक्षता से जांच कराकर कार्यवाही करने पर प्रदर्शनकारियों ने धरना समाप्त कर दिया।

इस मामले में आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के डीजीपी को लिखे पत्र में कहा है कि मृतक अंशु सिंह आजाद अधिकार सेना का कार्यकर्ता था। आरोप लगाया कि अंशु के साथ पुलिस ने मारपीट की जिससे उसकी मौत हो गयी। इसके बाद शव का रेलवे ट्रैक में फेंकरकर दुर्घटना का रूप दिया गया। उन्होंने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।

रेलवे ट्रैक पर संदिग्ध स्थितियों में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस अधीक्षक एके सिंह ने मानिकपुर थाना प्रभारी विनोद शुक्ला और मुख्य आरक्षी वीर सिंह को निलम्बित कर दिया है। साथ ही सिपाही प्रमोद पासवान और अंकित राजपूत को भी निलम्बित किया गया है। गौरतलब है कि प्रमोद पासवान और अंकित राजपूत ही मृतक अंशु को पकडकर थाने लाए थे।

तंत्र-मंत्र व झाड-फूक कर लूट की घटना करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकारी राजापुर निष्ठा उपाध्याय के पर्यवेक्षण में एसओजी व थाना राजापुर पुलिस की संयुक्त टीम ने तंत्र-मंत्र व झाड-फूक कर लूट की घटना करने वाले 2 आरोपियों को माल व अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया।

उल्लेखनीय है कि बीती 13 जुलाई को वादी दयाशंकर पुत्र रंजीत यादव ग्राम निवासी हरदौली थाना राजापुर द्वारा सूचना दी गयी कि बीती 10 जून को रियाजुल उर्फ राजू निवासी धरमपुर सातो थाना असोथर जनपद फतेहपुर द्वारा पूजा पाठ कराने के नाम पर सम्पूर्ण परिवार को पूजा पाठ में बैठाने और घर के सारे आभूषण कुल वजन करीब डेढ तोला, आधार कार्ड व बैंक की पासबुक आदि रखवाकर कहा कि ऑख बन्द कर अपने देवता का ध्यान लगाओ फिर दो घंटे बाद आंख खोलना अगर पहले आँख खोले तो सिर फट जाएगा। जब ढेड घंटे बाद आँख खोला तो सभी रखे आभूषण, अन्य सामान तथा मोटर साइकिल लेकर भाग गये थे। इस सूचना पर थाना राजापुर में रियाजुल एवं एक अज्ञात साथी के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक ने

लूट काण्ड की घटना को लेकर पकड़े गये आरोपी।

घटना के शीघ्र अनावरण के लिए प्रभारी निरीक्षक राजापुर एवं एसओजी प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। थाना राजापुर पुलिस उप निरीक्षक सिद्धनाथ राय व एसओजी प्रभारी निरीक्षक एमपी त्रिपाठी तथा हमराही द्वारा रियाजुल उर्फ राजू निवासी धरमपुर सातो थाना असोथर जनपद फतेहपुर, गौरव साहू उर्फ दीपक साहू निवासी हसनपुर अकुढिया थाना खागा जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी रियाजुल की जामा तलाशी से एक देशी तमंचा, कारतूस, 220 रूपये व एक मोबाइल तथा आरोपी गौरव साहू की जामा तलाशी से एक मोबाइल, 210 रूपये तथा लूट की मोटर साइकिल की डिग्गी में रखे प्लास्टिक के डिब्बे में 2 लॉकेट पीली धातु, 1 जोडी पायल, 1 जंजीर तथा 3 अंगूठी सफेद धातु बरामद की गयी।

पूंछतांछ में आरोपियों ने बताया कि वह लोगों के कब्जे से जो मोटर साइकिल व जेवरात बरामद हुए है, वह तंत्र-मंत्र, झाड-फूक कर धमका कर दयाशंकर के घर से लूट ले गये थे। आज मऊ की तरफ झाड-फूक करने जा रहे थे कि रास्ते में साथी का इंतजार करते समय पुलिस ने पकड लिया।

गिरफ्तारी के दौरान राजापुर उप निरीक्षक कन्हैया बक्श सिंह, उप निरीक्षक अंकित सिंह, आरक्षी लवकुश यादव, प्रकाश मिश्रा, अजय मिश्रा, एसओजी टीम के मुख्य आरक्षी जितेन्द्र, आरक्षी रोशन सिंह, गोलू भार्गव, पवन राजपूत आदि मौजूद रहे।

स्थापना दिवस पर पौधा रोपण करते लोग।

पौधरोपण के बाद पौध संरक्षण पर भी देना चाहिए ध्यान - सत्य प्रकाश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का 25वां स्थापना दिवस जिले में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान पत्रकारों ने संगोष्ठी कर पौधारोपण किया।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का 25वां स्थापना दिवस पत्रकारों ने सोमवार को धूमधाम से मनाया। इस दौरान मुख्यालय स्थित कार्यालय में संगोष्ठी हुई। प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार याज्ञिक ने कहा कि पत्रकारों के मान सम्मान की लड़ाई में संगठन आगे रहा है। देश के कई प्रदेशों में संगठन पत्रकार हितों के लिए सघर्षरत है। जिले के पत्रकारों की समस्याओं के निदान का हर संभव प्रयास होगा।

इसके बाद पत्रकारों ने समाजसेवी रामबाबू कुशवाहा के कलेक्ट्रेट रोड स्थित बगिया में आम, जामुन, अमरूद, नीबू, आंवला के पौधे रोपित किए। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि पौधरोपण से पर्यावरण संतुलित होगा। ग्लोबल वार्मिंग में कमी आएगी। उन्होंने अपील किया कि अपने जन्मदिन आदि पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखरेख अपने बच्चे की तरह करें। चित्रकूट प्रेस क्लब अध्यक्ष सत्य प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि पौधा लगाने के बाद संरक्षण बेहद जरूरी है। संरक्षण के अभाव में पौधे सूख जाते हैं। जिससे पौधरोपण का कोई सार्थक परिणाम नहीं मिल पाता है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ लगाकर संरक्षण अवश्य करना चाहिए। इसके बाद महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डा. भगवान प्रसाद उपाध्याय का 67वां जन्मदिन मनाया गया। पदाधिकारियों ने एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की। जिलाध्यक्ष शिवमूरत द्विवेदी ने बताया कि महासंघ के 25वें स्थापना दिवस पर 25 पौधे लगाकर संरक्षित भी किया जाएगा।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार सुधीर अग्रवाल, रमेश द्विवेदी, पुष्पराज कश्यप, अरविंद रघुवंशी, धीरेंद्र शुक्ला, विराग पांडेय, वंशीलाल साहू, दिनेश कुशवाहा, रमेश रैकवार, अतुल सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, अनिल सिंह, आशुतोष पांडेय आदि पत्रकार मौजूद रहे।

किसान समस्याओं को लेकर भाकियू ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भारतीय किसान यूनियन की मसिक किसान पंचायत तहसील राजापुर में तहसील अध्यक्ष राजकिशोर सिंह एवं सदर तहसील कर्वी में तहसील अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार झा को ज्ञापन दिया।

तहसील अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी अमृत पाल कौर द्वारा किसानों को आश्वस्त किया गया था कि एक जुलाई तक समस्त जलि की गौशालाओं को संचालित करा लिया जाएगा, लेकिन सीडीओ के आदेशों की अवहेलना करते हुए गौशाला संचालित नही हुआ। जानवरों के संरक्षण को लेकर किसान चिंतित है। धान की रोपाई हो रहीं है। किसान रात दिन खेतों की मेड़ पर बैठकर फसल की सुरक्षा के लिए मजबूर हैं। बरसात में सर्प दंश का बड़ा खतरा रहता है, लेकिन किसान मजबूर हैं। रात के अंधेरे में भी रोपाई किये गए खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं। जिला प्रशाशन गौशालाओं को संचालित कराने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन 20 जुलाई तक गौशालाओं का संचालन नही हुआ तो किसान जिला प्रशाशन का घेराव करने को मजबूर होगा। तहसील अध्यक्ष राजकिशोर सिंह ने बताया कि सरधुआ फीडर में अंधाधुंध कटौती की जा रही हैं। कटौती का कोई निश्चित समय निर्धारण नही है।

अपनी मांगो को लेकर ज्ञापन देते किसान यूनियन के पदाधिकारिगण।

ग्रामीण इलाकों में बिजली आठ से दस घण्टे ही रहती हैं। ट्यूबेल नही चल पा रहे है। चिल्ली पम्प कैनाल में बरद्वारा माइनर पर पाटा नही लगे होने के कारण नहर नही चल पा रही हैं, जिससे बरद्वारा क्षेत्र के हजारों बीघा धान की खेती प्रभावित होती है। जिसको नहर पर पाटा लगवाते हुए नहर अबिलम्ब शुरू कराया जाए। साधन सहकारी समिति बरद्वारा में ड़ीएपी एवं यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि जिले के खाद बीज विक्रेताओं द्वारा किसानों को पक्की रसीद नही दी जाती।इस मौके पर मण्डल सचिव उदयनारायण सिंह, मण्डल उपाध्यक्ष ओमनारायण गर्ग, प्रभारी शिवदयाल सिंह बघेल, ब्लॉक अध्यक्ष जसवंत सिंह चैहान, बीरेंद्र सिंह, राममूरत नामदेव, नरेश सिंह, डॉ जयनारायण सिंह, योगेंद्र सिंह, रामेश्वर सिंह, शिव सिंह, कमलेश, रामशरण राजपूत, बिजय सिंह, युवा बिंग जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह, मंत्री सिद्धार्थ विक्रम सिंह, राजकुमार पाण्डेय, सन्तगोपाल भारतीय, सन्तु यादव आदि मौजूद रहे।

व्यवस्थाएं दुरूस्त न होने पर सदन में उठाएंगे अस्पताल का मुद्दा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दो दिन पूर्व डायलिसिस वार्ड में एक युवक की मृत्यु होने की सूचना मिलने पर सोमवार को सदर विधायक अनिल प्रधान ने संयुक्त जिला चिकित्सालय में ओपीडी, डिलेली रूम, एक्सरे रूम एवं समस्त अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सदर विधायक ने संयुक्त जिला चिकित्सालय में मिली कमियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के निर्देश दिए।

सदर विधायक अनिल प्रधान के अस्पताल पहुंचने पर बताया गया कि पानी की कमी के कारण युवक की मृत्यु हुयी है। डायलिसिस गार्ड एवं जिला अस्पताल की लापरवाही के कारण ऐसी घटना घटी। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी दोनों को प्रकरण पर दोषियों के खिलाफ जांच कर कार्यवाही करने को निर्देशित किया। साथ ही समस्त स्टाफ को निर्धारित समय पर अस्पताल आने की बात कही। संयुक्त जिला चिकित्सालय में लगभग डेढ माह से पानी की समस्या और एक सप्ताह से बिजली की समस्या बनी हुयी है। जिस कारण अस्पताल में ऑपरेशन एवं इलाज सम्बन्धी काफी समस्यायें आ रही हैं। सदर विधायक ने मुख्य अभियन्ता विद्युत बांदा एवं अधिशाषी अभियन्ता विद्युत बांदा को

निरीक्षण की शिकायत पर नाराजगी व्यक्त करते विधायक।

अवगत कराया। साथ ही निर्देशित किया कि हर हाल में संयुक्त जिला चिकित्सालय की विद्युत आपूर्ति बहाल की जाये। जिससे मरीजों, तीमारदारों एवं स्टाफ को इस समरया से निजात मिल सके। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि जो कर्मचारियों के अलावा जिला अस्पताल में दलाल किस्म के लोग घूमते रहते हैं, जो मरीजों एवं उनके परिजनों को भ्रमित कर प्राइवेट अस्पतालों में ले जाते हैं, ऐसे लोगों को चिन्हित कर पुलिस अधीक्षक को सूचित करें। जिला चिकित्सालय के पीछे वार्डों में गंदगी होने के कारण मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को फटकार लगायी। साथ ही अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका को फोन कर गंदगी हटवाने के लिये कहा। साथ ही पानी की समस्या को दूर करने के लिए सदर विधायक ने कहा कि बोरिंग मशीन मिलते ही स्वंय से इस समस्या से निजात दिलाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं में सुधार न होने पर वह अस्पताल का मुद्दा सदन में उठाएंगे।

सदर विधायक ने कहा कि भविष्य में कमी भी संयुक्त जिला चिकित्सालय में धन की जरूरत हो तो वह धन उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरायी हुयी है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री (स्वास्थ्य मंत्री) सदन में बडी-बडी बातें करते है। चित्रकूट के आकांक्षी जिला होने के बावजूद जिले की पूरी लचर व्यवस्था है। जहां पर संयुक्त जिला चिकित्सालय, मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय खोह 200 बेड का अस्पताल है, उसमें डॉक्टरों की भारी कमी है।

नाबालिक से दुराचार के मामले में दोष सिद्ध होने पर आरोपी को 10 वर्ष का कारावास

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नाबालिक लड़की को बरगला कर ले जाने और दुराचार करने के मामले में दोष सिद्ध होने पर न्यायालय ने आरोपी को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 13 हजार रूपए अर्थदण्ड से भी दण्डित किया है। विशेष लोक अभियोजक तेज प्रताप सिंह ने बताया कि बीती 15 जनवरी 2019 को एक व्यक्ति ने बहिलपुरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी नाबालिक बहन को कोई व्यक्ति बरगला कर भगा ले गया था। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद विवेचना शुरू की। जिसमें सेमरदहा गांव के पिपरोही पुरवा निवासी पप्पू उर्फ मुर्तजा को गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता के बयान और चिकित्सीय परीक्षण के बाद पुलिस ने इस मामले में पाक्सो एक्ट और दुराचार की धाराओं की बढोत्तरी करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीले सुनने के बाद सोमवार को विशेष न्यायाधीश रेनू मिश्रा ने निर्णय सुनाया। जिसमें दोष सिद्ध होने पर आरोपी पप्पू उर्फ मुर्तजा को 10 वर्ष कठोर कारावास और 13 हजार रूपए के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया गया।

पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा में पत्रकार की गोली मारकर हत्या -

इस्लामाबादः एक हिंसक वारदात में, खैबर पख्तूनख्वा के नौशेरा शहर में रविवार को एक स्थानीय पत्रकार की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, एआरवाई न्यूज ने रिपोर्ट की. खैबर पख्तूनख्वा पुलिस ने पत्रकार की हत्या की पुष्टि की. उसकी पहचान हसन जैब के रूप में की. वह एक स्थानीय समाचार पत्र के लिए काम करता था.

अकबरपुरा गांव, नौशेरा के भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र में अज्ञात बाइक सवार हमलावरों ने उस पर गोलियां चलाईं. खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने घटना के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

एआरवाई न्यूज के मुताबिक, सीएम गंदापुर ने कहा कि हत्या में शामिल लोग न्याय से बच नहीं पाएंगे. पुलिस ने आश्वासन दिया कि दोषियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा. पत्रकारों की हत्या से जुड़ी ऐसी घटनाएं पाकिस्तान में बहुत असामान्य नहीं हैं।

इसी साल मई में हुई एक ऐसी ही घटना में, नसरुल्लाह गदानी नामक एक स्थानीय पत्रकार गोलीबारी की एक वारदात में गंभीर रूप से घायल हो गया था. जिसकी बाद में कराची के एक अस्पताल में उसकी मौत हो गई. एआरवाई न्यूज के अनुसार, घोटकी जिले के मीरपुर माथेलो के पास अज्ञात हमलावरों की ओर से किए गए हमले में गदानी को गंभीर रूप से गोली लगी थी. नसरुल्लाह गदानी को उनके आवास से मीरपुर माथेलो प्रेस क्लब जाते समय गोली मारी गई थी।

दीन शाह के पास जरवार रोड पर एक कार में सवार हथियारबंद लोगों ने पत्रकार पर गोलियां चलाईं और फिर मौके से भाग गए. स्थानीय पत्रकारों के अनुसार, गदानी एक सिंधी दैनिक के लिए काम करते थे. इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर अपनी खबरें साझा करते थे. वह स्थानीय सामंती प्रभुओं, राजनीतिक हस्तियों, वडेरा और सरकारी अधिकारियों पर रिपोर्टिंग करने वाले एक साहसी पत्रकार के रूप में प्रसिद्ध थे.

ओली ने पीएम मोदी का किया धन्यवाद, भारत के साथ रिश्तों को नई ऊंचाई देने की जताई प्रतिबद्धता

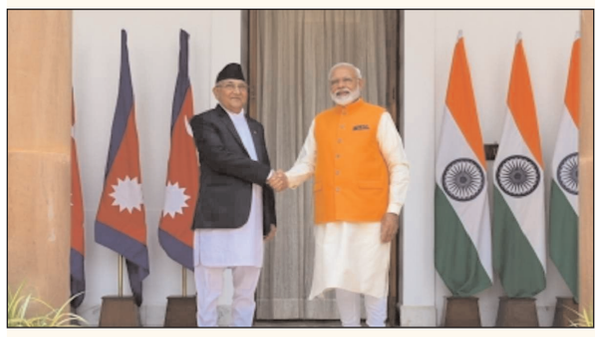

काठमांडू। नेपाल के नये प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बधाई संदेश पर धन्यवाद देते हुए सोमवार को दोनों पड़ोसी देशों के बीच "ऐतिहासिक संबंधों" को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा किया।

ओली ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "आपकी गर्मजोशी भरी बधाई के लिए धन्यवाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। मैं आपके साथ मिलकर नेपाल-भारत संबंधों को हमारे पारस्परिक हितों में और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मिलकर हम हमारे ऐतिहासिक रिश्ते को नई ऊंचाई प्रदान कर सकते हैं।"

इससे पहले आज नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट, सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष 72 वर्षीय ओली को पद की शपथ दिलाई। वह चौथी बार पहाड़ी देश के प्रधानमंत्री बने हैं।

पीएम मोदी ने ओली के एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने पर एक्स पर एक पोस्ट कर उन्हें बधाई दी और भारत तथा नेपाल के बीच मैत्री के गहरे रिश्ते को और मजबूत करने तथा पारस्परिक लाभप्रद सहयोग के विस्तार के लिए काम करने की उम्मीद जताई।

चार दलों के गठबंधन की सरकार का नेतृत्व करने वाले ओली ने पुष्प कमल दहल की जगह ली है।

भारत का नाम नहीं लेकर कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने नहीं रखा पद का मान : सिरसा

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कनाडा के पीएम के व्यवहार की निंदा करते हुए कहा है कि दिलजीत दोसांझ के शो में पहुंचकर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जिस तरह से उनके साथ फोटो लेकर पोस्ट किया, उससे हमें बहुत फक्र हुआ। लेकिन, अपनी पोस्ट में भारत का नाम नहीं लेकर उन्होंने पीएम पद की गरिमा का मान नहीं रखा।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, "कल जो हमने दिलजीत दोसांझ का शो (कनाडा में) देखा, वो अद्भुत नजारा था, वो अतुल्य था। वहां पहुंचकर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जिस तरह से दिलजीत दोसांझ के साथ अपनी फोटो पोस्ट की, वह गौरवमयी था।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

पाकिस्तान सरकार ने किया इमरान खान की पार्टी पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया है। सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोमवार को यह घोषणा ऐसे समय में की है, जब कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने पीटीआई को राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं में आरक्षित सीटों के हिस्से के लिए योग्य घोषित कर दिया था।

तरार ने कहा कि सरकार ने सभी उपलब्ध सबूतों को देखने के बाद पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। उन्होंने पिछले साल हिंसक विरोध प्रदर्शनों को उकसाने और वर्गीकृत जानकारी लीक करने सहित आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि हम पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के लिए मामला आगे बढ़ाएंगे। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में लाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार खान और पार्टी के दो अन्य वरिष्ठ नेताओं-पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और नेशनल असेंबली के पूर्व उपाध्यक्ष कासिम सूरी के खिलाफ देशद्रोह के आरोप लगाने के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ समीक्षा अपील दायर करने की योजना बना रही है।

उधर, पीटीआई के एक वरिष्ठ नेता और पार्टी प्रवक्ता सैयद जुल्फिकार बुखारी ने कहा कि यह महसूस करने के बाद कि वे अदालतों को धमका नहीं सकते हैं या उन्हें दबाव में नहीं डाल सकते हैं, या वे न्यायाधीशों को ब्लैकमेल नहीं कर सकते हैं, उन्होंने कैबिनेट के माध्यम से यह कदम उठाने का फैसला किया है। हमें रोकने के उनके सभी प्रयासों को अदालतों ने अवैध घोषित कर दिया है। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने पीटीआई को एक राजनीतिक दल के रूप में मान्यता दी और पुष्टि की कि चुनाव चिह्न नहीं होने से उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के उसके कानूनी अधिकारों पर असर नहीं पड़ेगा।

यह फैसला पीटीआई को फरवरी में अपने पार्टी के चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट का इस्तेमाल कर संसदीय चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने के संबंध में था, जिसने इसे अपने उम्मीदवारों को निर्दलीय के रूप में मैदान में उतारने के लिए मजबूर किया। हालांकि, तमाम झटकों के बावजूद पीटीआई समर्थित दावेदार 93 सीटों के साथ सबसे बड़े संसदीय ब्लॉक के रूप में उभरे।

इमरान खान ने जब अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया तो इसके बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएलएन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने गठबंधन सरकार बनाने के लिए अन्य छोटे दलों के साथ हाथ मिला लिया। खान अगस्त 2018 में प्रधानमंत्री बने, लेकिन अप्रैल, 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया।

क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान को कई कानूनी संकटों का सामना करना पड़ा है, जिनमें 2022 में संयुक्त राज्य अमेरिका में पाकिस्तान के तत्कालीन राजदूत द्वारा इस्लामाबाद भेजे गए एक वर्गीकृत केबल की सामग्री को गलत तरीके से रखने और लीक करने के आरोप शामिल हैं

खान ने बार-बार यह कहते हुए आरोपों से इनकार किया है कि दस्तावेज में सबूत हैं कि प्रधानमंत्री के रूप में उनका निष्कासन उनके राजनीतिक विरोधियों और देश की शक्तिशाली सेना द्वारा अमेरिकी प्रशासन की मदद से रची गई साजिश थी। हालांकि, वाशिंगटन और पाकिस्तानी सेना ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया है। अपने पक्ष में हाल के कई अदालती फैसलों के बावजूद खान पिछले साल अगस्त से सलाखों के पीछे हैं। सिंध के पूर्व गवर्नर जुबैर पहले पीएमएलएन के साथ थे, लेकिन अब उन्होंने आगे राजनीतिक अराजकता की चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार का फैसला पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट के फैसले के जवाब में था। उन्होंने बताया, "जो शक्तियां हैं, वे देश के मतदाताओं के सबसे बड़े बहुमत को वंचित करने की कोशिश कर रही हैं, जिन्होंने पीटीआई को वोट दिया था।

नेपालः केपी शर्मा ओली ने ली प्रधानमंत्री पद की शपथ, चौथी बार बने प्रधानमंत्री

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सोमवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने शपथग्रहण कराया।

केपी शर्मा ओली ने चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। नेपाल में संविधान जारी करने के बाद यह तीसरी बार है जब उन्होंने शपथ ली है। संविधान जारी होने के बाद पहले कार्यकाल में दो बार और संविधान सभा के दौरान एक बार पहले भी ओली प्रधानमंत्री बन चुके हैं। इस बार नेपाली कांग्रेस के समर्थन से वो प्रधानमंत्री बने हैं।

प्रधानमंत्री ओली के साथ दो उप प्रधानमंत्रियों ने भी आज शपथ ली है।

नेपाली कांग्रेस से प्रकाशमान सिंह ने शहरी विकास मंत्रालय के साथ उप प्रधानमंत्री पद की शपथ ली तो एमाले पार्टी से वित्त मंत्रालय के साथ विष्णु पौडेल ने उप प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इनके अतिरिक्त 19 कैबिनेट मंत्रियों को ओली मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। आज शपथ लेने वाले मंत्रियों में नेपाली कांग्रेस से 9, नेकपा एमाले से 8, जनता समाजवादी पार्टी से 2 और लोकतान्त्रिक समाजवादी पार्टी से एक मंत्री ने शपथ ली है। इनमें कांग्रेस से आरजू राणा ने विदेश मंत्री, रमेश लेखक ने गृहमंत्री, दीपक खड्का ने ऊर्जा, अजय चौरसिया ने कानून, प्रदीप पौडेल ने स्वास्थ्य, बद्री पाण्डे ने पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन, तेजुलाल चौधरी ने युवा तथा खेलकूद, रामनाथ अधिकारी ने कृषि और ऐन बहादुर महर ने वन मंत्री के रूप में शपथ ली है।

इसी तरह एमाले की तरफ से पृथ्वीसुब्बा गुरूंग ने सूचना तथा संचार, विद्या भट्टराई ने शिक्षा, दामोदर भण्डारी ने उद्योग, देवेन्द्र दाहाल भौतिक पूवार्धार, राज कुमार गुप्ता संसदीय कार्य मंत्रालय, मानवीर राई, बलराम अधिकारी भूमि व्यवस्था मंत्रालय की शपथ ली है।

छोटे दलों से शरत सिंह भण्डारी ने श्रम, पिरदीप यादव ने पेयजल, नवल किशोर साह ने महिला, बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया।

ट्रंप पर हमले के बाद डेमोक्रेट्स ने बाइडेन से बनाई दूरी, दावेदारी पर संशय बरकरार

वाशिंगटनः पेंसिल्वेनिया में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले के बाद इस बात का आकलन शुरू हो गया है कि आने वाले चुनाव में इसका क्या असर पड़ेगा. प्रमुख अमेरिकी समाचार पत्र द हिल डेमोक्रेट्स राजनीतिक परिणामों और नैतिक विचारों के जटिल परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं.

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ट्रंप के सम्मान में और दुखद घटनाओं के जवाब में, राजनीतिक विज्ञापनों को बंद करने सहित सभी राजनीतिक गतिविधियों को निलंबित कर दिया है. इस विराम ने बाइडेन के सहयोगियों और पार्टी कार्यकताओं को आत्मनिरीक्षण के लिए प्रेरित किया है. एक शीर्ष डेमोक्रेटिक रणनीतिकार और बाइडेन के करीबी सहयोगी ने स्वीकार किया कि अभी जवाबों से ज्यादा सवाल हैं. मुझे नहीं लगता कि कोई भी जानता है कि इन सवालों के जवाब कैसे मिलेंगे. बहुत सारी अज्ञात बातें हैं.

बाइडेन की उम्मीदवारी पर बहस, खास तौर पर उनकी उम्र और मानसिक तीक्ष्णता के बारे में, अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई है. नाम न बताने की शर्त पर कई डेमोक्रेटिक सूत्रों ने हमले के तुरंत बाद इस विषय की संवेदनशीलता को स्वीकार किया.

हालांकि, सांसदों से लेकर दानदाताओं तक कई डेमोक्रेट ने अभी इस मुद्दे पर चुप रहना चुना है. एक डेमोक्रेटिक दानकर्ता ने इस बारे में कहा कि यह समय नहीं है. इससे पहले इसी दानदाता ने बाइडेन की दावेदारी के बारे में संदेह व्यक्त किया था. दानदाता ने अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि यह सवाल अगले कुछ दिनों या सप्ताह में वापस नहीं आएगा. लेकिन अभी बिडेन पर बहस करना अविश्वसनीय रूप से असंवेदनशील होगा.

दानकर्ता ने कहा कि हम सभी को थोड़ा रूककर देखना होगा कि आगे क्या होता है. हत्या के प्रयास के बाद के गमगीन माहौल के बीच, ध्यान आंतरिक डेमोक्रेटिक विचार-विमर्श से हटकर इस व्यापक चिंता पर चला गया है कि रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के आने के साथ यह घटना राजनीतिक परिदृश्य को कैसे नया रूप दे सकती है.

एक अन्य डेमोक्रेटिक रणनीतिकार ने भविष्यवाणी की कि शनिवार की दुखद घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करने से '(बाइडेन की दावेदारी पर) सार्वजनिक शोर कम हो जाएगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे आम लोगों के बीच चर्चा में कोई कमी आयेगी. उन्होंने कहा कि मैंने बाइडेन को पीछे दिखाने वाले डेटा का अध्ययन किया है. राज्य-दर-राज्य संख्याएं वास्तव में बहुत खराब हैं.

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि ट्रंप पर हमले के कारण फिलहाल बाइडेन की प्रतिद्वंद्विता पर दौड़ से हटने का दबाव अल्पावधि में कम हो सकता है. प्रिंसटन विश्वविद्यालय में इतिहास और सार्वजनिक मामलों के प्रोफेसर जूलियन जेलिजर ने कहा कि समय बीत रहा है और अभी कई डेमोक्रेट इस पर ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे क्योंकि राष्ट्र हत्या के प्रयास में डूबा हुआ है. कुछ लोग मानेंगे कि टिकट को अस्थिर करना बहुत कठिन होगा.

फिर भी, जेलिजर ने चेतावनी दी कि बाइडेन के लिए अंतर्निहित मुद्दे बने हुए हैं और खराब हो सकते हैं, खासकर जब ट्रंप इस घटना से नए राजनीतिक जोश के साथ उभरेंगे. रविवार को, तीन राष्ट्रीय सर्वेक्षणों ने बाइडेन के लिए मिश्रित तस्वीर पेश की, जिसमें दिखाया गया कि हाल की चुनौतियों के बावजूद वह ट्रंप के खिलाफ स्थिर हैं. हालांकि, हत्या के प्रयास के बाद की स्थिति इस गतिशीलता को काफी हद तक बदल सकती है.

बाइडेन ने कहा, यह समय शांत रहने का, हमले में घायल ट्रंप रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के लिए मिल्वौकी पहुंचे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है," सुरक्षा अधिकारियों ने चुनावी वर्ष में हिंसा के जोखिम की चेतावनी दी है। यह समय शांत रहने का है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण ढंग से काम होना चाहिए।" उन्होंने प्राइम टाइम संबोधन में यह बेहद अहम टिप्पणी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए कातिलाना हमले के बाद की है। ट्रंप इस हमले में गोली लगने से घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा है कि हम बहस करते हैं और असहमत होते हैं। हम उम्मीदवारों के चरित्र, रिकॉर्ड, मुद्दों, एजेंडे और विजन की तुलना भी करते हैं। हम मतदान का सहारा लेते हैं, गोलियों का नहीं। अमेरिका को बदलने की शक्ति हमेशा आम लोगों के हाथों में होनी चाहिए, न कि संभावित हत्यारों के हाथों में। उन्होंने अमेरिका को पृथ्वी का सबसे महान देश करार दिया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप गोली लगने के एक दिन बाद रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के लिए मिल्वौकी पहुंच चुके हैं। बाइडेन इस सप्ताह फिर से चुनाव प्रचार में उतरेंगे। उल्लेखनीय है कि पेंसिल्वेनिया राज्य के बटलर शहर में शनिवार रात डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला किया गया। वह रैली को संबोधित कर रहे थे। गोली पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कान को चीरती हुई निकल गई। यह देख सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने उन्हें घेर लिया।

इसके बाद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने शूटर को मार गिराया। एफबीआई ने हमलावर की पहचान थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की है। क्रुक्स क्लेयरटन स्पोर्ट्समैन क्लब का सदस्य था। इस क्लब के पास पीट्सबर्ग की दक्षिणी पहाड़ियों में 200-यार्ड राइफल रेंज की सुविधा है। जांचकताओं ने कहा है कि वह यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उसने गोली चलाने का कहां प्रशिक्षण लिया।

बाइडेन ने ट्रंप की पेनसिल्वेनिया रैली में सुरक्षा की स्वतंत्र समीक्षा के आदेश दिए

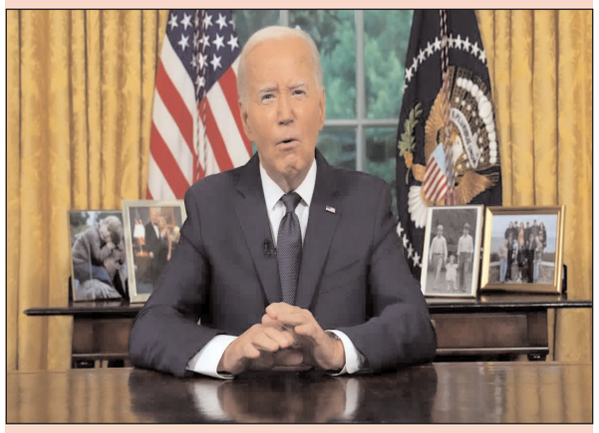

वाशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पेनसिल्वेनिया रैली में सुरक्षा उपायों की स्वतंत्र समीक्षा के आदेश दिए हैं. बता दें कि शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया था. रविवार को व्हाइट हाउस से अपनी टिप्पणी में बाइडेन ने कहा कि मैंने कल की रैली में राष्ट्रीय सुरक्षा की स्वतंत्र समीक्षा का निर्देश दिया है.

समीक्षा का उद्देश्य यह पता लगाना होगा कि वास्तव में क्या होगा. उन्होंने कहा कि और हम उस स्वतंत्र समीक्षा के परिणामों को अमेरिकी लोगों के साथ भी साझा करेंगे. शनिवार को पेनसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली में हुए हमले के बाद बाइडेन की यह टिप्पणी उनका दूसरा सार्वजनिक बयान था. सीएनएन के अनुसार, उन्होंने मिल्वौकी में इस सप्ताह होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन से पहले सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने के लिए यूएस सीक्रेट सर्विस के प्रमुख को भी निर्देश दिया. बाइडेन ने यह भी कहा कि उन्होंने ट्रंप को हर वह सीक्रेट सर्विस संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है, जिसकी मांग पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और उनकी टीम ने की है.

बाइडेन ने कहा कि मैंने सीक्रेट सर्विस को हर वह संसाधन, क्षमता और सुरक्षात्मक उपाय उपलब्ध कराने के लिए लगातार निर्देश दिए हैं, जो उनकी निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं. गोलीबारी की घटना के समय, बाइडेन डेलावेयर के रेहोबोथ बीच पर थे. वे शनिवार देर रात व्हाइट हाउस लौटे और रविवार सुबह सिचुएशन रूम में होमलैंड सिक्योरिटी और कानून प्रवर्तन अधिकारियों से अपडेट प्राप्त किया.

सीएनएन के अनुसार, अपनी टिप्पणी में, बाइडेन ने हत्या के प्रयास की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिका में इस तरह की हिंसा या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है. हत्या का प्रयास एक राष्ट्र के रूप में हमारी हर बात के विपरीत है. हर बात. यह वह नहीं है जो हम एक राष्ट्र के रूप में हैं. यह अमेरिका नहीं है. और हम ऐसा होने नहीं दे सकते. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एकता सबसे जरूरी लक्ष्य है, अभी इससे ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है. बाइडेन ने पुष्टि की कि उन्होंने और ट्रंप ने फोन पर बात की, लेकिन अपनी बातचीत का विवरण नहीं बताया. उन्होंने यह भी कहा कि वह और प्रथम महिला जिल बाइडेन रैली में मारे गए व्यक्ति के परिवार के लिए प्रार्थना कर रहे थे. वह ईमानदारी से आभारी हैं कि ट्रंप ठीक हैं और ठीक हो रहे हैं.

एफबीआई ने बंदूकधारी की पहचान पेंसिल्वेनिया के बेथेल पार्क के 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की है. ट्रंप पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक अभियान रैली में मंच पर थे, इससे पहले कि गोलियां चलीं और सीक्रेट सर्विस एजेंट मंच पर आ गए. डोनाल्ड ट्रंप पर हमले के बाद एकता का आह्वान करते हुए, बाइडेन ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है. अमेरिकियों से शूटर के इरादों के बारे में धारणा बनाने से बचने का आग्रह किया.

उन्होंने संघीय जांच ब्यूरो (ऋइक) को हस्तक्षेप के बिना अपनी जांच करने की अनुमति देने के महत्व पर जोर दिया. राष्ट्रपति ने दोहराया कि अमेरिका में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है. मैं सभी से आग्रह करता हूं... कृपया उसके इरादों या जुड़ाव के बारे में धारणा न बनाएं. बाइडेन ने कहा कि एफबीआई को अपना काम करने दें, और उनकी साझेदार एजेंसियों को अपना काम करने दें.